दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 05:58 ए एम
सूर्यास्तः 06:45 पी एम
तिथिः अष्टमी - 01:34 ए एम, अप्रैल 14 तक
नक्षत्रः पूर्वाषाढा - 10:43 ए एम तक
योगः शिव - 12:34 पी एम तक
करणः बालव - 02:40 पी एम तक
द्वितीय करणः कौलव - 01:34 ए एम
पक्षः कृष्ण पक्ष
वारः शुक्रवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 112 • पृष्ठ 8 • दुमका, शुक्रवार 21 अप्रैल 2023 • मूल्य 2 रुपये | Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

यमन में आर्थिक सहायता वितरण कार्यक्रम में मची भगदड़

85 की मौत, 300 से अधिक घायल

अदन/एजेंसी।

यमन की राजधानी सना में मची भगदड़ में कम से कम 85 लोगों की मौत हो गई, जबकि 300 से अधिक लोग घायल हो गए. हूती विद्रोहियों के आधिकारिक मीडिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी. यमन में ईरान-समर्थित हूती आंदोलन द्वारा चलाए जा रहे मुख्य टेलीविजन समाचार आउटलेट अल मसीराह टीवी ने सना में स्वास्थ्य निदेशक का हवाला देते हुए बताया कि मृतकों के अलावा कई लोग घायल हुए हैं, जिनमें 13 की स्थिति काफी गंभीर है.

हूती नियंत्रित आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि मुसलमानों के पवित्र महीने रमजान के अंतिम दिनों में व्यापारियों द्वारा जकात बांटने के दौरान भगदड़ मच गई. प्रवक्ता ने इस घटना को 'दुखद' बताया.

जकात एक तरह का धर्मार्थ दान होता है. प्रत्येक सक्षम मुस्लिम के लिए हर साल अपनी कुल जमा संपत्ति में से ढाई फीसद हिस्सा बतौर जकात गरीबों में बांटना फर्ज होता है.

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने बचाव के प्रयास में शामिल दो चश्मदीदों के हवाले से बताया कि इस जकात के एक स्कूल में सैकड़ों लोग जमा हो गए थे. यहां हर व्यक्ति को 5,000 यमनी रियाल या भारतीय मुद्रा में कहें तो लगभग 1500 रुपये मिलने वाले थे.

आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता ब्रिगेडियर अब्देल-खलीक अल-अघरी ने कहा कि स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय के बिना गलत तरीके से वित्तीय सहायता वितरित करने के कारण यह घटना हुई। यह त्रासदी ईद-उल-फितर से ठीक पहले हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सहायता वितरण कार्यक्रम में एक स्कूल में आयोजति किया गया था, घटना के बाद विद्रोहियों ने स्कूल को सील कर दिया। साथ ही पत्रकारों सहित लोगों को यहां आने से रोक दिया गया है।

चश्मदीदों ने कहा कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हथियारबंद हाउती विद्रोहियों ने हवा में गोली चलाई और बिजली के तार से टकराकर उसमें विस्फोट हो गया। इससे कार्यक्रम में मौजूद लोगों में दहशत फैल गई और लोगों ने भागना शुरू कर दिया। आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि उसने दो आयोजकों को हिरासत में लिया है और मामले की जांच चल रही है।

ईरानी समर्थित हाउती विद्रोहियों ने यमन की राजधानी सना पर नियंत्रण कर लिया है।

संक्षिप्त समाचार

मोदी सरनेम केस :

राहुल गांधी को झटका, कोर्ट का दोषी करार दिए जाने पर रोक से इनकार

सूरत/एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मोदी सरनेम मामले में गुजरात की सेशंस कोर्ट से राहत नहीं मिली है. कोर्ट ने राहुल गांधी के दोषी करार दिए जाने पर रोक की अर्जी खारिज कर दी है. निचली अदालत ने राहुल गांधी को मानहानि के मामले में दो साल की सजा सुनाई थी. गुजरात में सूरत की एक सत्र अदालत ने 'मोदी उपनाम' वाले बयान को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दोषी ठहराया था. इस फैसले पर रोक लगाने को लेकर राहुल गांधी ने सेशंस कोर्ट में अर्जी लगाई थी.

अगर आज दोषी ठहराये जाने और सजा सुनाये जाने पर रोक लग जाती तो राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता बहाल हो सकती थी. अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आर पी मोगेरा की अदालत ने पिछले गुरुवार को राहुल गांधी की अर्जी पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था. इस फैसले पर कांग्रेस के महासचिव प्रभारी संचार जयराम रमेश ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ₹कानून के तहत जो भी विकल्प हमारे लिए उपलब्ध होंगे, हम उन सभी विकल्पों का लाभ उठाना जारी रखेंगे. अभिषेक मनु सिंघवी आज शाम 4 बजे राहुल गांधी की अपील पर मीडिया को जानकारी देंगे.

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

59,727.01–183.74 (0.31%)

निफ्टी

17,660.15–46.70 (0.26%)

समलैंगिक संबंधों पर बोले सीजेआई चंद्रचूड़

अब एक बार का रिश्ता नहीं, अब ये रिश्ते हमेशा टिके रहने वाले

नई दिल्ली/एजेंसी।

समलिंगी शादी को मान्यता की याचिका पर सुनवाई के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने अहम टिप्पणी दी है. उन्होंने कहा कि समलैंगिक संबंध एक बार का रिश्ता नहीं, अब ये रिश्ते हमेशा के लिए टिके रहने वाले हैं. ना ये सिर्फ शारीरिक, बल्कि भावनात्मक रूप से मिलन भी है. ऐसे में समान लिंग शादी के लिए 69 साल पुराने स्पेशल मेरिज एक्ट के दायरे का विस्तार करना गलत नहीं. सुनवाई के दौरान उखक डी वाई चंद्रचूड़ ने सोशल मीडिया पर ट्रोल करने पर चिंता जताई. उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणियों पर उन्हें ट्रोल किया गया.इस मामले में सुनवाई सोमवार को जारी भी रहेगी.

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ के समक्ष समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता दिए जाने से जुड़ी याचिकाओं पर गुरुवार को लगातार तीसरे दिन सुनवाई हुई. इस बेंच की अध्यक्षता कर रहे प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सवाल किया कि क्या विवाह के लिए पति-पत्नी का दो अलग लिंग से होना आवश्यक है. इस बेंच में जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस एसआर भट्ट, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस पीएस नरसिम्हा भी शामिल हैं.

समलैंगिक विवाह को लेकर दायर याचिकाओं पर जारी सुनवाई की सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट और यूट्यूब पर लाइव स्क्रीनिंग हो रही है. मामले में सुनवाई के तीसरे दिन सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, 'हम इन (समलैंगिक) संबंधों को एक बार का रिश्ता नहीं, बल्कि हमेशा के लिए टिके रहने वाले रिश्तों के रूप में देखते हैं

एक बार फिर 'अतीक और अशरफ' को मारी गई गोली

नयी दिल्ली/एजेंसी। माफिया अतीक अहमद और अशरफ की हत्या मामले में न्यायिक जांच आयोग हर पहलु पर जांच कर रहा है। अब 15 अप्रैल की रात का सच जानने के लिए अस्पताल में उसी जगह सीन रीक्रिएट किया है जहां अतीक और अशरफ को गोली मारी गई थी। न्यायिक जांच आयोग ने एफएसएल और पुलिस की टीम के साथ कॉल्विन अस्पताल पहुंचकर उसी जगह पर वाकये को कैमरे पर दोहराया है। जिसमें उसी दिन की तरह अतीक और अशरफ की गेट से एंट्री होती है और मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान उसी अंदाज में गोलियां चलती हैं और दोनों माफिया ढेर हो जाते हैं। बता दें कि 15 अप्रैल की रात माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की कॉल्विन अस्पताल के गेट गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। तीन शूटरों ने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ को महज 18 सेकेंड के भीतर मौत की नींद सुला दिया था। शूटरों ने दोनों के पुलिस जीप से उतरने के 32वें सेकेंड में पहली गोली दागी थी।

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

विधायक की अनुपस्थिति में ग्राम प्रधान, मुखिया एवं जिप सदस्य ने किया सड़क का शिलान्यास

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा प्रखंड क्षेत्र के चिकनियां पंचायत अंतर्गत लकड़जोरिया पीडब्लुडी रोड से प्रधान टोला लकड़जोरिया आरईओ सड़क का शिलान्यास गुरुवार को ग्राम प्रधान राखिशल बेसरा ने किया। जबकि नाचनगाडिया पंचायत के शिकारपुर स्कूल से हेठ बलराम गांव तक आरईओ सड़क का नाचनगड़िया पंचायत की मुखिया बसंती मुर्मू ने गुरुवार को नारियल फोड़कर एवं शिलापट्ट से पर्दा हटा कर शिलान्यास किया। बताते चलें कि उक्त शिलान्यास कार्यक्रम जामा विधायक सीता सोरेन के हाथों किया जाना था। लेकिन अचानक विधायक की तबियत खराब हो जाने के कारण पंचायत के मुखिया एवं ग्राम प्रधान द्वारा जिला परिषद सदस्य कालेश्वर सोरेन,विधायक प्रतिनिधि झुनू सिंह,निजी सहायक राकेश चौधरी,जेएमएम सचिव सत्तार खान के द्वारा संयुक्त रूप से शिलान्यास कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया। इस दौरान पथ निर्माण विभाग के कनीय अभियंता राजीव कुमार ने बताया कि लकड़जोरिया रोड से प्रधान टोला, पेकन टोला आरईओ रोड तक तीन किलोमीटर सड़क लगभग 3 करोड़ 81 लाख की लागत से बनायी जानी है। साथ ही नाचनगाड़िया पंचायत के शिकारपुर स्कूल से हेठबलराम गांव तक साढ़े तीन किलोमीटर सड़क लगभग 3 करोड़ 87 लाख रुपये के लागत से बनायी जानी है। ग्रामीणों ने नयी सड़क का शिलान्यास करने पर विधायक का आभार जताया है। इस दौरान विधायक के निजी सलाहकार राकेश चौधरी,विधायक प्रतिनिधि कुणाल सिंह झुन्नु,थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार साहू, एसआई रविशंकर सिंह, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य कालेश्वर सोरेन,प्रखंड सचिव सत्तार खान, सुरेंद्र यादव, गौतम दर्वे, दय यादव,उमा यादव, बुलेश यादव, संतोष हांसदा,राखिशल मुर्मू, निर्मल बेसरा, मोशोधन मरांडी, लुखिराम सोरेन, देवीन टुडू, संतोष मंडल, सुनील गंधर्व, सुरेंद्र साह, चंद्रकांत मंडल सहित दर्जनों कार्यकर्ता व ग्रामीण उपस्थित थे।

बंदोबस्त कार्यालय दुमका में पदस्थापित अधिकारी व कर्मचारी मस्त, रैयत त्रस्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। बंदोबस्त कार्यालय दुमका में पदस्थापित अधिकारियों व कर्मचारियों की लापरवाही व उदासीनता से गरीब रैयत त्रस्त हो गए है वहीं पदाधिकारी व कर्मचारी मस्त है।नकल व तरमीम के लिए रैयत सालों से कार्यालय का चक्कर काट रहे है लेकिन उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ता है।जानकारी के अनुसार वर्ष 2018 का भी नकल अबतक नहीं दिया गया है वहीं आपत्तिवाद में आदेश के बावजूद तरमीम नहीं किया जा रहा है।गरीब असहाय रैयतों को परेशानी के सिवा कुछ नहीं मिल रहा है।एक रैयत ने बताया कि वो अपने घर के बर्तन तक बेच चुका है,कार्यालय में सिर्फ आश्वासन मिलता है काम नहीं हो रहा है। रैयतों के अनुसार बंदोबस्त कार्यालय दुमका के अधीन संचालित विभिन्न शिविर न्यायलयों में दलालों ने अपना वर्चस्व कायम कर लिया है।कोई भी काम कराना हो तो इन दलालों के माध्यम से ही जाना होगा अन्यथा आपका काम नहीं होगा।वैसे तो तकरीबन सभी शिविरों में गरीब असहाय रैयतों को खुलेआम लूटा जा रहा है लेकिन सबसे ज्यादा लूटपाट अंतिम प्रकाशन शिविर न्यायालय मोहनपुर एवं गोड्डा में की जा रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार पेशकार की अनदेखी व मिलीभगत से सर्चिंग से लेकर पर्चा बांटने के काम में उगाही की जा रही है।गरीब रैयत किसी तरह पेट काटकर एवं जमीन गिरवी रख कर या अपने जानवरों को बेचकर न्याय की उम्मीद लिए शिविर न्यायालय पहुंचते हैं लेकिन उन्हें वहां लूटकर वापस अन्य तारीख में आने की बात कहकर भेज दिया जाता है।मोहनपुर एवं गोड्डा के कुछ रैयतों ने बताया कि कभी कमिश्नर के नाम पर तो कभी बंदोबस्त पदाधिकारी के नाम पर और कभी सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी के नाम पर उनसे मोटी रकम वसूली जाती है लेकिन उसके बाद भी काम नहीं किया जाता सिर्फ तारीख पर तारीख देकर शोषण किया जा रहा है।रैयतों ने बताया कि पेशकार की मिलीभगत से नकली व जाली पर्चा थमा दिया जाता है।बताया कि तात्कालीन सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी ने एक ही आपत्तिवाद में दो बार आदेश दे दिया पहले आदेश पारित कर दिया गया फिर उसे खारिज कर अन्य के नाम पर आदेश पारित कर दिया।रैयतों का कहना है कि अबुआ दिशोम अबुआ राज में हम न्याय के लिए दर दर की ठोकरें खा रहे हैं और पेशकार से लेकर बंदोबस्त पदाधिकारी तक से हमें न्याय नहीं मिल रहा है।पूछा कि क्या इसी दिन के लिए अलग राज्य का गठन किया गया था।रैयतों ने बताया कि एक सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी ने एक ही दिन में एक ही आपत्तिवाद में दो बार आदेश पारित कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

66 टीबी मरीजो के बीच किया गया पोष्टिक आहार पैकेट का वितरण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र गोपीकांदर में ई निश्चय मित्र योजना के तहत प्रखंड क्षेत्र के 66 टीबी मरीजो के बीच पोष्टिक आहार पैकेट का वितरण किया गया।वरीय चिकित्सा पर्यवेक्षक आशीष पंजियारा ने इस संबंध में बताया कि प्रखंड क्षेत्र के टीबी मरीजो के बीच पोष्टिक खान पान को बढ़ावा देने के लिए प्रखंड विकास पधाधिकारी,प्रभारी चिकित्सा पधाधिकारी,वरीय चिकित्सा पर्यवेक्षक,प्रखंड क्षेत्र के रोबिन, हाकिम मोमिन,अमरनाथ ,मधुसुधन , आशुतोष कुसचिरा के द्वारा पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाया गया है।भोजन पैकेट में मुख्य रूप से चना दाल,चना,रहर दाल,मूंग,सरसों तेल, नमक दिया जा रहा है।जिसका सेवन करने से मरीज जल्द से जल्द स्वस्थ हो पाएंगे।इसके साथ ही सभी मरीजों को लगातार 6 महीने तक प्रत्येक महीने पौष्टिक भोजन पैकेट दिया जायेगा। इसके साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी गोपीकांदर ने 1 ,हाकिम मोमिन ने 33 ,प्रभारी चिकित्सा पधाधिकारी ने 1 ,वरीय चिकित्सा पर्यवेक्षक आशीष पंजियारा ने 1, रोबिन ने 1, आशुतोष ने 2, मधुसूदन ने 1, अमरनाथ ने 1 यक्ष्मा मरीज को गोद लिया है।

रानीबहाल-दलाही मुख्य पथ पर चलाया सघन वाहन जांच अभियान

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पुलिस अधीक्षक अंबर लकड़ा के निर्देश पर आज गुरुवार को टोंगरा थाना पुलिस ने रानिबहाल-दलाही मुख्य पथ पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया। मामले में टोंगरा थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि वाहन चेकिंग के दौरान कुल दस बाइकों की जांच की गई। जांच के दौरान गाड़ी के कागजात,डिक्की, हेलमेट तथा लाईसेंस देखा गया। जिमसें से सात बाइक चालकों के पास सारे कागजात नहीं पाये जाने के कारण चालान काटकर आगे की कार्रवाई के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी को लिखा गया है।

बीडीओ ने आपूर्ति संबंधित समीक्षा बैठक में जनवितरण प्रणाली विक्रेताओं को दिए कई अहम निर्देश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। रामगढ़ प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्र-खंड आपूर्ति पदाधिकारी कमलेंद्र कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में आपूर्ति संबंधी समीक्षा बैठक गुरुवार को आयोजित की गई। बैठक के दौरान चीनी, खाद्यान्न ,नमक किरासन तेल का उठाव एवं वितरण के साथ-साथ पेट्रोल सब्सिडी ,आधार सीडिंग ,धोती, साड़ी वितरण की समीक्षा की गई। खाद्यान्न वितरण की समीक्षा के दौरान 50% से कम वितरण करने वाले विक्रेताओं को अविलंब खाद्यान्न वितरण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही जिन विक्रेताओं के द्वारा अभी तक चीनी की राशि जमा नहीं की गई है उन्हें 2 दिनों के अंदर राशि जमा जमा करने तथा बैंक स्लिप कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया गया। पेट्रोल सब्सिडी की समीक्षा के दौरान रामगढ़ प्रखंड में बहुत कम लाभुकों को लाभ दिए जाने को गंभीरता से लेते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि शत प्रतिशत लाभुकों को पेट्रोल सब्सिडी का लाभ दिया जाए साथ ही आधार सीडिंग नियमित रूप से करने एवं मृत या शादी हो कर अन्यत्र चले गए लोगों का नाम डिलीट करने के लिए आपूर्ति कार्यालय के द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रपत्र मे भरकर देने का सख्त निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि किसी भी हाल में आधार सीडिंग तथा पेट्रोल सब्सिडी में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान करीब 30 से 40 विक्रेताओं ने इलेक्ट्रॉनिक वेइंग मशीन खराब रहने तथा नेटवर्क की समस्या से भी अवगत कराया। बीडीओ ने मौके पर मौजूद ईपोस मशीन के टेक्निशियन विवेक कुमार को कंपनी से समन्वय स्थापित कर अविलंब वेइंग मशीन को ठीक कराने का निर्देश दिया। मौके पर काफी संख्या में जन वितरण प्रणाली विक्रेता एवं स्वयं सहायता समूह की महिला दुकानदार मौजूद थे।

आसनथर पहाड़ी के समीप अनियंत्रित ट्रक ने कार और मोटरसाइकिल सवार को मारी टक्कर

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा थाना क्षेत्र अंतर्गत दुमका देवघर मुख्य मार्ग पर आसनथर पहाड़ी के समीप गुरुवार को एक अनियंत्रित ट्रक ने कार और मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी।जिसमें कार सवार एक महिला घायल हो गयी,जबकि दूसरी महिला आंशिक रूप से चोटिल हो गयी है वहीं मोटरसाइकिल सवार बाल-बाल बच गया।

जानकारी के अनुसार कार में एक बच्चा,चालक ओर दो महिला सवार थी और जामा से ईलाज के लिए देवघर जा रही थी,तभी अनियंत्रित ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी।जिसमें दो महिला चोटिल हो गई। जबकि बाइक सवार छात्र ट्रक के चपेट में आ गया जिससे बाइक और कार क्षतिग्रस्त हो गयी, लेकिन झटका लगने से बाइक सवार दूर जा गिरा और बाल बाल बच गया।दोनो महिला 65 वर्षीय नियति देवी एवं 29 वर्षीय कुमारी मधुश्री जामा की रहने वाली है और बच्चे के साथ इलाज कराने देवघर जा रही थी।घटना की सूचना मिलते ही जामा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और कार सवार घायल महिला को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जामा पहुंचाया, जहां इलाज के बाद दोनों को छोड़ दिया गया।वहीं मोटरसाइकिल सवार जरमुंडी का रहने वाला बताया जाता हैं जो परीक्षा देने के लिए काठीकुंड जा रहा था।उन्हें जामा थाना पुलिस द्वारा उनके गंतव्य स्थान तक सुरक्षित भेज दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार कार सवार देवघर की ओर जा रहा था वहीं उसके पीछे ट्रक भी जा रहा था, तभी अनियंत्रित ट्रक ने कार को पीछे ठोकर मार दी।कार को ठोकर मारने के बाद ट्रक को नियंत्रण करने के क्रम में सामने से आ रहे मोटरसाइकिल सवार को ठोकर मार दी।जिससे मोटरसाइकिल सवार झटका लगने के क्रम में झाड़ियों में जा गिरा,लेकिन उनकी मोटरसाइकिल ट्रक की चपेट में आकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। कार भी क्षतिग्रस्त हो गई है।मामले को लेकर घटनास्थल पर पहुंचे जामा थाना के पुलिस पदाधिकारी एसआई रविशंकर सिंह ने बताया कि घटना के बाद कार में सवार दोनो महिलाओं को इलाज के लिए सामुदायिक केंद्र लाया गया जहाँ इलाज के बाद परिजनों के साथ घर भेज दिया गया है।वहीं घटना के बाद वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

हर्ष जोहार पाठ्यचर्या विषय पर बैठक आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा प्रखंड स्थित बीआरसी भवन में आज गुरुवार को प्रखंड शिक्षा प्रसा-र पदाधिकारी सुधा कुमारी की अध्यक्षता में हर्ष जोहार पाठ्यचर्या विषय पर एक आवश्यक बैठक आहूत की गई। जिसमें पीरामल फाउंडेशन के विक्की कुमार यादव द्वा-रा नौ कौशल के बारे में चर्चा की गई। मौके पर भावनात्मक दृढ़ता, तार्किक सोच,पहल करना,जिम्मेदारी पूर्ण निर्णय क्षमता,स्व जागरूकता, आत्मसम्मान,ग्रोथ माइंडसेट, सकारात्मक संबंध बनाना और निभाना एवं दूसरों के प्रति सहानुभूति आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई इसके अलावा यूट्यूब पर उपलब्ध सेल टॉक शो एपिसोड-8 के बारे में बताया गया,जिसमें अति चिंतन एवं उनसे लड़ने के उपायों के बारे में भी जानकारी साझा की गयी। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि आने वाले वर्षों में हर्ष जोहार पाठ्यचर्या आदर्श विद्यालय में भी जोड़ा जाएगा जिसमें दस हजार से भी ज्यादा बच्चों को इस कार्यक्रम के तहत जिले में प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित किया जाएगा।बैठक में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी विनोद कुमार,कंप्यूटर ऑपरेटर मुनेश्वर मंडल सहित सभी बीआरपी सीआरपी उपस्थित थे।

93 शोधार्थियों में बेस्ट रिसर्च स्टूडेंट्स का चयन कर प्रोग्रेसिव रिसर्च टीम का गठन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय में सोशल साइंस कोर्स वर्क के कॉर्डिनेटर सह स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ विनोद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में समाज विज्ञान व कॉमर्स के कुल अध्ययनरत 93 शोधार्थियों में बेस्ट रिसर्च स्टूडेंट्स का चयन कर एक ' प्रोग्रेसिव रिसर्च टीम' का गठन किया गया है। समाज विज्ञान संकायाध्यक्ष डॉ जैनेंद्र यादव के उपस्थिति में कुल 14 चयनित शोधर्थियों के पीछे का तर्क प्रस्तुत किया गया। डॉ जैनेंद्र यादव ने अपने संबोधन में ऐसे अकादमिक कार्यों को विश्वविद्यालय के लिए अच्छा संकेत व शुभारंभ कहा बल्कि इसे ऐतिहासिक भी कहा। उन्होंने कोर्स कॉर्डिनेटर डॉ विनोद कुमार शर्मा के कार्यों की प्रशंसा की। उसे इंस्ट्रूमेंटल व लक्ष्य उन्मुखी शिक्षक भी कहा। उन्होंने कहा कि हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि हम समाज के लिए कुछ अच्छा करे व आने वाले पीढी को कुछ अच्छा माहौल दे। उम्मीद करते है कि यह नवीन प्रयास व अभ्यास कॉर्डिनेटर डॉ विनोद कुमार शर्मा के नेतृत्व में मिल का पत्थर साबित होगा।

मौके पर शोधार्थियों ने कॉर्डिनेटर डॉ विनोद कुमार शर्मा को कोर्स वर्क में अतुलनीय योगदान के प्रति सम्मान के रूप में ' रिसर्च मेथोडोलॉजी फॉर सोशल साइंस' डीन के हाथों भेंट की। मौके पर डॉ विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि गुणात्मक व उन्नत किस्म का शोध किसी भी संस्थान की मान- मर्यादा होती है जिसे तराशकर प्रखर बनाने की जरूरत है। इसी उद्देश्य से व यू जी सी 2022 के रेगुलेशन के तहत ' वेल ट्रेनेड रिसर्चर ' के संप्रत्य की परिकल्पना है जिसे ही इस शोध टीम के द्वारा यथार्थ करने का एक छोटा- सा प्रयास है। यह गर्व का विषय है कि शोध विषयों की पढ़ाई से न केवल शोधार्थियों में शोध का ज्ञान,रुचि व अभिप्रेरणा जागृत हुई है बल्कि अंतर विषयक समावेश से विश्वविद्यालय में शोध का एक सार्थक माहौल भी निर्मित हुआ है। इस चयनित टीम में मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, राजनीतिकशास्त्र, इतिहास, अर्थशास्त्र व कॉमर्स के शोधार्थी है जिनमें अभिनव कुमार, रोजी बेक व स्निगधा हंसदा (राजनीतिकशास्त्र), दिव्या कुमारी, हीना परवीन, दशरथ महतो व मुनि हंसदा (मनोविज्ञान) , सुधीर किस्कु, नूतन कुमारी व गीता रानी टुडू (समाजशास्त्र), संदीप कुमार शर्मा व दीपक कुमार (अर्थशास्त्र), केशव मंडल (इतिहास) व रोहित कुमार मिंज (कॉमर्स) प्रमुख है।

TO-LET
(3600 sq ft)
GROUND FLOOR
7 room late bath attach
SECOND FLOOR
4 room and 1 hall late bath attach
Address-lakhikundi (bridge left side),Dumka
Contact number-7004213289

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस का सफल आयोजन कराना करें सुनिश्चित: बीडीओ

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । गुरुवार को अमड़ापाड़ा प्रखंड सभागार भवन में प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस (21अप्रैल -24 अप्रैल) के आयोजन हेतु ,15 वें वित्त आयोग, पेयजल से संबंधित गूगल शीट की प्रविष्टि, ज्ञान केंद्र ,जीपीडीपी व अन्य योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।

पेयजल से संबंधित गूगल शीट को 22 अप्रैल तक शत प्रविष्टि पूर्ण करना सुनिश्चित करें

बैठक में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस (21अप्रैल -24 अप्रैल) के आयोजन हेतु ,15 वें वित्त आयोग,पेयजल से संबंधित गूगल शीट की प्रविष्टि, ज्ञान केंद्र ,जीपीडीपी की समीक्षा कर संबंधित पंचायत सचिव, प्रखंड समन्वयक को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। समीक्षा के क्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने 15 वें वित्त मद से क्रियान्वित योजना की योजनावार समीक्षा की।

बैठक के दौरान उन्होंने संबंधित पंचायत सचिव को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर मुखिया एवं ग्राम पंचायत सदस्य के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए 15 वें वित्त आयोग की राशि को खर्च करें।

उन्होंने बताया कि इस महीने के अंत तक 15 वें वित्त आयोग की राशि का 75% राशि खर्च करना सुनिश्चित करें। 15 वें वित्त आयोग के तहत सड़कों की मरम्मती, क्लस्टर की मैनेजमेंट, विद्यालयों में पार्क एवं गार्डन का निर्माण, शौचालय, पेयजलापूर्ति आदि के निर्माण पर राशि खर्च करें। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग एवं समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। ताकि पारदर्शिता एवं सुनियोजित तरीके से उक्त योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं, ताकि सभी योग्य लोगों को इसका लाभ मिल सके। साथ ही रॉयल्टी, डीएमएफटी, लेबर सेस की कटौती की गई राशि को ससमय संबंद्ध हेड में जमा करने हेतु पंचायत सचिव को निदेशित किया गया।

- **ग्राम पंचायत विकास योजना को ससमय जमा करना करें सुनिश्चित**

ग्राम पंचायत विकास योजना (2023-24) की समीक्षा के क्रम में सभी पंचायत को ग्राम पंचायत विकास योजना की सूची 23 अप्रैल 2023 तक प्रखंड पंचायत कोषांग को उपलब्ध कराने हेतु पंचायत सचिव को निदेशित किया गया। बैठक में उपरोक्त के अलावा प्रखंड समन्वयक, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, सभी पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सेवक एवं कर्मी व अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

धूमधाम से मां काली की पूजा अर्चना की गई

हिरणपुर(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । हिरणपुर श्मशान में सार्वजनिक शमशान काली पूजा बुधवार देर रात को संपन्न हुआ। पूजा के उपलक्ष में हिरणपुर बाजार ही नहीं आसपास के गांव से काफी संख्या में श्रद्धालु भक्त शमशान पहुंचे और पूजा में भाग लिया और महाप्रसाद भी खाये। उक्त पूजा का आयोजन बीते कई वर्षों से दशनाम जूना अखाड़ा के ब्रजराज गिरी उर्फ बिनय बडे ही भक्ति भाव से करते आ रहे हैं, जिसमें स्थानीय लोगों के सहयोग से शमशान मंदिर में माता का शीला मूर्ति स्थापित कर पूजा करते आ रहे हैं। यहां आसपास के लोग मन्नते भी मांगते हैं और मुराद पूरे होने पर उसे पूरा भी करते हैं, जिस कारण लोगों की आस्था श्मशान काली के प्रति दिनों दिन बढ़ती जा रही है और लोगों का हुजूम भी काफी होता है।

शांति समिति की बैठक में ईद पर्व शांति पूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने का अपील

लिट्टीपाड़ा/अमड़ापाड़ा(पाकुड़)। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि। मुसलमानों का त्योहार ईद पर्व को लेकर गुरुवार को गणमान्य एवं बुद्धिजीवी लोगों के साथ थाना परिसर में शांति समिति की बैठक थाना प्रभारी अरुणिमा बागे की अध्यक्षता में हुई। थाना प्रभारी ने उपस्थित लोगों को ईद का पर्व शांति पूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने का अपील किया। उन्होंने कहा ऐसा कुछ भी नहीं करें जो दूसरे समाज के लोगों को ढेस पहुंचे। साथ ही कहा किसी भी प्रकार का आपत्तिजनक पोस्ट या कॉमेंट शोशल मीडिया पर न करें। मौके पर एसआई विकास प्रसाद, मिथुन कुमार, एएसआई खुदीराम हेंब्रम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। वही अमड़ापाड़ा थाना परिसर में बीडीओ कुमार देवेश द्विवेदी और पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव की अध्यक्षता में ईद पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक की गई। बैठक में मुस्लिम समुदाय का पर्व को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया साथ ही उपस्थित लोगों को ईद पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। बैठक में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के गणमान्य व्यक्ति थे।

अज्ञात अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । सिमलोंग ओपी क्षेत्र के चटानी गांव के समीप बुधवार को एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति का शव पेड़ से लटका हुआ बरामदगी मामले में पुलिस ने शव का पहचान कर लिया है। मृतक रंगा थाना क्षेत्र के महागामा गांव निवासी मंगल मरांडी उम्र करीब 45 वर्ष के रूप में हुआ है। ओपी प्रभारी सत्यदेव प्रसाद ने बताया मृतक के परिजन द्वारा सोशल मीडिया में गुमसुदगी का पोस्ट कर जानकारी देने का अपील किया था. सोशल मीडिया के वाट्सप ग्रुप से पोस्ट मिला. पोस्ट में दिए गए नंबर पर सम्पर्क कर परिजनों को शव का शिनाख्त करने बुलाया गया। जिसमें मृतक के साली मिना हांसदा सहित अन्य परिजन पाकुड़ पहुंच शीत गृह में शव का शिनाख्त किया। इसके पश्चात शव को परिजनों को सौप दिया गया। मृतक के पत्नी संजू हांसदा ने बताया मृतक का दिमागी हालात ठीक नही था। उसे पिछले तीन महीनों से मेरे माइये गोड्डा जिले के डेवदाड़ गांव में रखकर इलाज करा रहे थे. पर बीते 18 अप्रैल को जानकारी मिला कि घर से बिना बताए कही चला गया है। आसपास काफी खोजबीन करने के बाद भी नही मिला तो सोशल मीडिया में पोस्ट कर जानकारी देने का अपील किया गया था।

झामुमो छोड़ भाजपा में शामिल हुए पूर्व विधायक सुफल मरांडी

पाकुड़िया(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । मिशन 2024 को लेकर झामुमो छोड़ भारतीय जनता पार्टी में आए भाजपा के वरिष्ठ नेता सह पूर्व विधायक सुफल मरांडी राजमहल लोकसभा में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने को लेकर इन दिनों काफी गंभीर दिख रहे है। भाजपा में आए पूर्व विधायक सुफल मरांडी सहज सुलभ और मृदुभाषी नेता के रूप में जाने जाते हैं। ,वे चाहते हैं कि 2024 का लोकसभा चुनाव में राजमहल में कमल फूल का उदय हर हाल में हो। इसी परिपेक्ष्य में मरांडी इन दिनों हर गावों का दौरा कर भाजपा संगठन को मजबूत करने में जी जान से लगे हैं। गुरुवार को ग्राम जोंका बूथ संख्या 279 अंतर्गत हर घरों के दीवारों में कमल चिन्ह का दिवाल लेखन करवाते हुए आम जनों एवं कार्यकर्ताओं को बताया कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ही एक मात्र ऐसी पार्टी है, जो भारत ही नहीं पूरे विश्व का कल्याण उद्धार और बसुधैव कुटुम्बकम के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रही है। भारत के साथ सभी देशों का मधुर संबंध हो या जी 20 की अध्यक्षता हो या सर्जिकल स्ट्राइक मोदी जी के नेतृत्व में आज का भारत सुखी संपन्न और आत्म निर्भर है। आगे भी भारत की संपन्नता बढ़ती रहे इसको लेकर भाजपा की पुनः वापसी जरूरी है। ना सिर्फ पूर्व विधायक सुफल मरांडी बल्कि झारखंड विकास मोर्चा छोड़कर भाजपा में आए पूर्व विधायक मिस्त्री सोरेन भी राजमहल लोक सभा में भाजपा के उदय को लेकर काफी संघर्ष शील हैं और हर बूथ का दौरा रोजाना तेजी से कर रहे हैं।

विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल को मनाया जाएगा

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । लिट्टीपाड़ा प्रखंड के कस्तूरबा विद्यालय एवं हिरणपुर प्रखंड स्थित संत मरिया विद्यालय में विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल को मनाया जाएगा। इसको लेकर एक कार्यक्रम आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में पीसीआई द्वारा उपस्थित सभी छात्राओं को मलेरिया के फैलाव एवं बचाव से संबंधित विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। बच्चियों द्वारा मलेरिया से बचाव से संबंधित चित्रांकन प्रतियोगिता भी करवाया गया। जिला भीबीडी स्पेशलिस्ट डॉ तनीमा विश्वास द्वारा मलेरिया से बचाव से संबंधित जानकारी दी गई एवं सभी बच्चों को शपथ दिलाया गया।

स्कूली बच्चों को खिलाई गई एल्बेंडाजोल की गोली

टाटीझरिया (हजारीबाग) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्र के 3 वर्ष से लेकर 18 वर्ष तक के छात्र-छात्रों को गुरूवार को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई गई। इसको लेकर खैरा, झरपो, भराजो, डहरभंगा, धरमपुर, डुमर, टाटीझरिया और बेडम पंचायत क्षेत्र के सभी प्राथमिक, मध्य और उच्च विद्यालयों में बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई गई। इस संबंध में शिक्षकों ने बताया कि विभागीय निर्देश के अनुसार बच्चों को मध्याह्न भोजन के बाद कृमि की दवा दी गई।

हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज करने के बाद 48 घंटों के अंदर चापाकल मरम्मत होगा

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । गर्मी का मौसम शुरू है ऐसे में जिलेवासियों को पेयजल की समस्या नहीं हो इसके मद्देनजर उपायुक्त वरुण रंजन के निर्देशानुसार पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, पाकुड़ द्वारा खराब चापाकलों की मरम्मत से संबंधित शिकायत के निष्पादन हेतु कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। जो 9:00 बजे पूर्वाहन से अपराहन 6:00 बजे तक कार्यरत रहेगा। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम में उमेश किस्कू, निम्नवर्गीय लिपिक, मोबाइल संख्या- 9798796348 एवं संदीप कुमार निम्नवर्गीय लिपिक, मोबाइल संख्या- 6207006524 पर संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। साथ ही प्रखंडवार कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता का मोबाइल नंबर भी प्रकाशित की जा रही है। जिसपर आमजनों द्वारा शिकायत दर्ज कर चापाकल मरम्मती कराई जा सकती है।

पाकुड़ प्रखंड, अमड़ापाड़ा प्रखंड एवं हिरणपुर प्रखंड के लिए कनीय अभियंता दिनेश मंडल, मोबाईल नम्बर- 9155863727 एवं सहायक अभियंता अभिजीत किशोर, मोबाईल नम्बर- 9773807198 पर संबंधित प्रखंड के आमजनों से अपील है कि इस नम्बर पर कॉल कर खराब चापाकलों की मरम्मती से संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं। लिट्टीपाड़ा प्रखंड के लिए कनीय अभियंता जेम्स मुर्मू, मोबाईल नम्बर-8340763109 पर संबंधित प्रखंड के आमजनों से अपील है कि इस नम्बर पर कॉल करके खराब चापाकलों की मरम्मती से संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं। महेशपुर प्रखंड एवं पाकुड़िया प्रखंड के लिए चंदन कुमार, मोबाईल नम्बर- 9060535260 पर संबंधित प्रखंड के आमजनों से अपील है कि इस नम्बर पर कॉल करके खराब चापाकलों की मरम्मती से संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

हर्ष जोहार पाठ्यक्रम को लेकर एक बैठक की गई

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में जिला शिक्षा पदाधिकारी की अध्यक्षता में हर्ष जोहार पाठ्यक्रम को लेकर एक बैठक की गई। इस कार्यक्रम में हर्ष जोहर पाठ्यक्रम के लिए करिकुलम से सम्बंधित पुस्तक का वितरण किया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनी देवी ने इस पाठ्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह योजना राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। अब सामान्य विषय के साथ साथ विद्यार्थियों को सामाजिक भावनात्मक विकाश के लिए भी शिक्षा प्रदान की जाएगी। इसके माध्यम से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकाश होगा। उन्होंने कहा कि अभी के समय में बहुत सारे बच्चे अत्यधिक मानसिक दबाव से गुजर रहे हैं। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से बच्चों के सकारात्मक सम्बन्ध, आत्मसम्मान, सहानुभूति, स्वजागरूकता, भावनात्मक दृढ़ता आदि कौशलों का विकाश किया जायेगा। इसलिए हर्ष जोहार करिकुलम को गहराई से अनुपालन करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी शिक्षकों से विद्यार्थिओं को अपने बच्चे जैसे ब्यवहार करने की मार्मिक अपील की। राज हाईस्कूल की शिक्षिका सिउली कुमारी घोष ने अपने स्कूल में चल रहे इस कार्यक्रम के बारे में अपना अनुभव साझा करते हुए कहा की उनके स्कूल के बच्चे इस कार्यक्रम में बहुत ही उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं, और इसका लाभ भी दिख रहा है।

मौके पर जिले के तीन उत्कृष्ट विद्यालयों की प्रधानाध्यापिका एवं शिक्षक, शिक्षिकाएं, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, ब्लॉक शिक्षा प्रसार पदाधिकारी एवं राज्य स्तर पर सहयोग करने वाली संस्था सम्पूर्णा कंसोर्टियम की ओर से पिरामल फाउंडेशन के अमित कुमार सिंह एवं क्वेस्ट एलायंस की सायरी दासगुप्ता समेत अन्य उपस्थित थे।

जलसहिया संघ ने पेयजल एवं स्वच्छता झारखंड सरकार के प्रधान सचिव को 9 सूत्री मांग पत्र सौंपा

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

बड़कागांव। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखंड सरकार रांची के प्रधान सचिव को हजारीबाग जलसहिया संघ द्वारा 9 सूत्री मांग पत्र सौंपा गया। उक्त मांग पत्र जिला जलसहिया संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधान सचिव का हजारीबाग आगमन के दौरान सौंपा गया है। सौंपे गए मांग पत्र में कहा गया है कि हम सभी जलसहिया पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यों को ग्राम स्तर पर विगत 10 -12 वर्षों से संपादित कर रहे हैं। इस दौरान कई प्रकार की समस्याएं एवं चुनौतियां का सामना करना पढ़ रहा है। इन समस्याओं एवं चुनौतियों को मद्देनजर जलसहिया संघ द्वारा विभाग से विश्व जल दिवस, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आदि कार्यक्रमों में हम सब जलसहिया को प्रोत्साहित करने, जल जीवन मिशन के तहत प्रति गांव 5 महिलाओं को अविलंब प्रशिक्षण देने, जल सहिया का पंचायत स्तर प्रखंड स्तर एवं जिला स्तर पर बैठक में भाग लेने पर जलपान, यात्रा भत्ता, दैनिक भत्ता अविलंब लागू करने, स्वच्छ भारत मिशन के तहत जलसहिया के योगदान से पूरे गांव ओडीएफ घोषित की तरह जल जीवन मिशन का कार्य संवेदक से ना करा कर जलसहिया के माध्यम से कराने, झार जल माध्यम से की गई कार्य के एवज में अविलंब भुगतान करने, घरेलू शौचालय की बकाया निर्धारित प्रोत्साहन राशि का अविलंब भुगतान करने, ऑनलाइन कार्य करने के लिए मोबाइल एवं इंटरनेट का खर्च उपलब्ध कराने, सभी जल सहिया का 4 वर्ष का बकाया मानदेय भुगतान कराने एवं शौचालय निर्माण कार्य के एवज में जलसहिया को 150 रुपैया प्रोत्साहन राशि भुगतान करने आदि मांग शामिल है। इसके अलावा प्रतिनिधिमंडल ने एक अलग आवेदन के माध्यम से पेयजल स्वच्छता विभाग हजारीबाग के जिला समन्वयक विश्वनाथ सोनी पर कई प्रकार का गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई करने की मांग की गई है। मांग पत्र में जिला समन्वयक पर जल सहिया से नियुक्ति प्रमाण पत्र मांगने, अभद्र व्यवहार करने, मुखिया से मिलकर जल सहिया को हटाने की धमकी देने सहित अन्य आरोप लगाया गया है। मांग पत्र में चौपारण के जलसहिया के साथ अभद्र व्यवहार करने का गवाह चौपारण के सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि, प्रमुख, प्रमुख पंचायत के मुखिया के साथ बैठक में दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाई गई है। उक्त मांग पत्र सौंपते समय प्रधान सचिव ने जल सहिया प्रतिनिधिमंडल को बहुत जल्द पूरा करने एवं जिला समन्वयक पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया।

निरसा में डायरिया से एक महिला की मौत, दस बीमार

निरसा । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। निरसा प्रखंड क्षेत्र के पूरव पंचायत अर्तगत पांड्रा गांव के बाउरी टोली में डायरिया से एक महिला की मौत हो गई है। जबकि बच्चे , महिला एवं पुरुष समेत दस लोग बीमार हैं। सूचना पर बीडीओ विकास कुमार राय, चिकित्सा प्रभारी डॉ पुष्पा, मुखिया उज्जवल तिवारी, एएनएम समेत स्वास्थ्य कर्मी बुधवार की रात सात बजे से बाउरी टोला में कैंप कर रहे हैं। पीडित लोगों को की जांच की जा रही है। साथ ही ओआरएस दिया जा रहा है। सभी को गांव में ही इलाज किया जा रहा है।

डॉ पुष्पा ने बताया कि जांच के दौरान गंभीर स्थिति मिलने पर इलाज के लिए अस्पताल भेजा जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि बीमार महिला माया बाउरी (36) की मौत घर में ही बुधवार की शाम पांच बजे हो गई। वहीं निरसा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सा प्रभारी डॉ पुष्पा ने बताया कि बीमार थी। हार्ट अटैक से मौत हुई है। डायरिया से मौत नहीं हुई ।

ग्रामीणों ने बताया किया बुधवार की सुबह से गांव के लोगों को दस्त होने लगा था। शाम पांच बजे माया बाउरी (36)की मौत हो गई। डायरिया से दीपु बाउरी (18), आशा बाउरी(33) ,कल्याणी बाउरी (28), निरुपा बाउरी (5), मामुनी बाउरी (26), हिमोला बाउरी (50), रोमोला बाउरी (56), शकुंतला बाउरी (35), हंस बाउरी (4) , टींकु बाउरी (16 महिना) आदि बीमार है। सभी का ब्लड प्रेसर नापा गया है। साथ ही ओआरएस दिया गया है। इसके अलावे बाउरी टोला मे ब्लीचिंग पाउडर का छिडकाव किया गया है। टोला में चिकित्सा पदाधिकारी के साथ एएनएम टूलू दत्ता, बीटीटी सुरेश प्रसाद, श्यामबिहारी , ओमकार कुमार, देवेन्द्र कुमार, मनभूल बाउरी , सहिया संध्या डे, शुक्ला बनर्जी मौजूद थे।

पाकुड़ अंचलान्तर्गत संचालित सभी अनुज्ञप्तिधारी एवं क्रशरधारी के साथ बैठक की गई, दिशा निर्देश

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ ।अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित की अध्यक्षता में पाकुड़ अंचलान्तर्गत स्थित / संचालित सभी अनुज्ञप्तिधारी एवं क्रशरधारी के साथ बैठक की गई। क्रय, विक्रय एवं भंडार पंजी का करें संधारण। जिला खनन पदाधिकारी प्रदीप कुमार द्वारा बैठक में उपस्थित सभी क्रशर संचालनकर्त्ताओं को बोल्डर के क्रय संबंधी चालान तथा उससे तैयार चिप्स / डस्ट तथा विक्रय संबंधी पंजी का संधारण कर उसे क्रशर स्थल पर ही रखने का निदेश दिया गया, ताकि निरीक्षण दल द्वारा भौतिक सत्यापन किया जा सके।

- **क्रशर परिसर में सीसीटीवी कैमरा का करें संधारण**

जिला खनन पदाधिकारी ने सभी क्रशर संचालकों को क्रशर परिसर में सीसीटीवी संधारित कराने का निर्देश दिया गया, ताकि क्रशर परिसर में आने जाने वाले वाहनों की निगरानी एवं जांच हो सके। जिला खनन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि ट्रैक्टर द्वारा रात्रि में बिना परिवहन चालान के पत्थर खनिज के परिवहन की शिकायत जिला प्रशासन को लगातार प्राप्त हो रही है। इस संबंध में विगत कई बार बैठक कर अनुज्ञप्तिधारिओं को बिना परिवहन चालान का खनिज का विक्री नही करने हेतु निर्देश दिया गया। विदित हो कि अवैध परिवहन रोकथाम हेतु वाहन के मालिक एवं चालकों के साथ-साथ क्रशर संचालकों की भी जबावदेही होती है। जांच के दौरान बिना परिवहन चालान के पत्थर से लदे ट्रैक्टरों को जप्त कर विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए संबंधित डीलर अनुज्ञप्ति को एक माह के लिए निलम्बित भी किया गया है। परन्तु अभी भी बगैर परिवहन चालान के ट्रैक्टरों के माध्यम से पत्थर विक्री किये जाने का मामला प्रकाश में आ रहा है, जो अत्यन्त खेदजनक है। ऐसे अनुज्ञप्तिधारी का पहचान करते हुए उनके अनुज्ञप्ति को तत्काल प्रभाव से निलम्बित करते हुए शेष अवधि के लिए अनुज्ञप्ति रद्द करने पर निर्णय लिया जायेगा। इसके अलावा जिला खनन पदाधिकारी द्वारा सभी क्रशर संचालनकर्त्ताओं को क्रशर, भंडारण स्थल का सीमा संधारण, साईनबोर्ड संधारण के साथ साथ प्रदूषण पर्षद के स्थापित नियमों, नियामकों एवं मानदण्ड का अनुपालन सुनिश्चित करने का भी निदेश दिया गया। साथ ही गर्मी को देखते हुए क्रशर युनिट को चलाने में बिजली का उपयोग कम की जाय तथा पीक टाइम में बिजली बचत हेतु अपने क्रशर मशीन को बन्द ही रखा जाय। बैठक में उपस्थित क्रशर संचालकों द्वारा एक सप्ताह के अन्दर दिये गये सुझावों एवं निर्देश का अनुपालन सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया गया।

बाइक चोरी के अंतरजिला गिरोह के 2 शातिर अपराधी गिरफ्तार

गिरिडीह। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। बाइक चोरो के अंतरजिला गिरोह के दो शातिर अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह ने यहां बरवाडीह स्थित पुराना पुलिस लाइन से प्रेस वार्ता कर इसकी पूरी जानकारी दी।गिरफ्तार आरोपी में जामताड़ा जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के मजीद अंसारी और मुकद्दर अंसारी शामिल हैं। एसडीपीओ सिंह ने बताया कि गांडेय थाना अंतर्गत 17 अप्रैल को जोड़ा आम निवासी मनोज गोप की मोटरसाइकल घर के पास से चोरी हो गई थी। चोरी के संबंध में प्राप्त आवेदन के आधार पर अज्ञात के विरुद्ध कांड दर्ज किया गया। जिसके बाद पुलिस निरीक्षक गांडेय के निर्देश पर गांडेय थाना प्रभारी के नेतृत्व में कांड के उद्भेदन हेतु एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा कांड का उद्भेदन करते हुए सूचना के आधार पर एक अपराधी मजीद अंसारी को गांडेय से चोरी किए गए मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। जिसके बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर मुकद्दर अंसारी को उसके घर से गिरफ्तार किया। इस दौरान उसके घर से भी मुफस्सिल थाने से हुई बाइक चोरी बरामद की गई। इन दोनों की निशानदेही पर पुलिस ने मोटरसाइकिल की खरीद बिक्री कर्ता के कर्माटांड़ क्षेत्र के बरमुंडी के एक घर से दो मोटरसाइकिल को बरामद किया। जिसमें से एक मोटरसाइकिल चोरी की पाई गई। हालांकि इस दौरान पुलिस को देखते ही अपराधी मौके से फरार हो गया। जिसकी गिरफ्तारी को लेकर पुलिस छानबीन कर रही है।एसडीपीओ श्री सिंह ने बताया कि मजीद अंसारी के पास से पुलिस ने एक मास्टर चाभी भी बरामद किया है।जिससे इन लोगों द्वारा लॉक मोटरसाइकिल की चोरी की जाती थी।एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपी शातिर अपराधी है। चोर गिरोह जामताड़ा जिला में चोरी की बाईक को बेचता था। मौके पर इंस्पेक्टर रत्नेश मोहन, ठाकुर थाना प्रभारी हसनैन अंसारी एवं अन्य जवान उपस्थित थे।

राज्यपाल द्वारा ओबीसी आरक्षण विधेयक लौटाने पर राजद हुआ आक्रोशित, किया राज्यपाल का पुतला दहन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखंड सरकार के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के द्वारा झारखंड विधानसभा से पारित ओबीसी आरक्षण विधेयक को लौटाए जाने पर राजद कार्यकर्ता काफी आक्रोशित हो गए हैं गुरुवार को शहर के तीन बाजार चौक पर जिला अध्यक्ष प्रमोद पंडित के नेतृत्व में झारखंड के राज्यपाल का पुतला दहन किया गया इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल, भाजपा और आरएसएस के विरोध में जोरदार नारेबाजी करते देखे गए। जिला अध्यक्ष प्रमोद पंडित ने कहा कि झारखंड में ओबीसी को 14 प्रतिशत एवं दुमका जिला में शून्य प्रतिशत आरक्षण है। इसे 27 प्रतिशत करने का विधेयक सदन से पारित कर राज्यपाल को भेजा गया। राज्यपाल ने विधेयक लौटा दिया। यहां पर भी भाजपा ने दोरंगी चाल चल दी।अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष बाबूराम हांसदा ने कहा कि 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति का विधेयक सदन से पारित कर राजभवन को भेजा गया था उसे भी राज्यपाल ने वापस कर दिया। जबकि सरकार ने इसे केंद्र को भेजकर 9 वीं अनुसूची में शामिल करने की माँग की थी।

नगर अध्यक्ष कंचन यादव ने कहा कि नियोजन नीति हेमंत सरकार ने बनायी थी उसे भी भाजपा ने कोर्ट में चैलेंज कर दिया। कोर्ट ने उसे भी असंवैधानिक करार दे दिया।यहां भी भाजपा ने चाल चल दिया।

अनुमंडल अध्यक्ष जितेश कुमार दास ने कहा कि इन सभी प्रकरणों से स्पष्ट है कि भारतीय जनता पार्टी काशी कुछ और है करते कुछ और है भाजपा बिल्कुल एससी एसटी ओबीसी विरोधी पार्टी है पिछड़ों दलितों की भलाई इसे सहन नहीं होता है।अनुसूचित जनजाति के प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष बाबूराम हासदा, अनुमंडल अध्यक्ष जितेश कुमार दास, दुमका नगर अध्यक्ष कंचन यादव, पंकज यादव, संतोष मंडल, अनिल पंडित, डोलाट, मानिक पंडित, पीटर सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

एसीसी सीमेंट के विक्रेता थाईलैंड के लिए रवाना

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। रेलवे स्टेशन से एसीसी सीमेंट के विक्रेता गण थाईलैंड के लिए रवाना हुआ दुमका शहर के जाने-माने एसीसी सीमेंट के पुराने डीलर अर्जुन दास बैजनाथ हैं। उनको जिलेबी पीडीआर है। जो 2022 में अपना टारगेट अचीव किया हैं। उनको थाईलैंड और बैंकॉक का टूर में घुमाने के लिए सभी एसीसी विक्रेता गण अपने साथ ले गए यह टू 20 अप्रैल से 25 अप्रैल तक का है यह पहला मौका है कि एक साथ 22 एसीसी विक्रेता गन थाईलैंड के लिए रवाना हुआ। इसमें दुमका के सबसे पुराना एसीसी सीमेंट के विक्रेता मोदी ब्रदर्स प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर गणेश चंद्र मोदी जो सोमेन दा के नाम से जाने जाते हैं, और साथ में जीतू , लखन , अरुण साह, उमेश मंडल, लिल्टू , रंजीत शाह, और बहुत सारा दुकानदार लोग साथ में समूह बनाकर थाईलैण्ड के लिए रवाना हुए।

उपायुक्त, श्री नमन प्रियेश लकड़ा ने तिसरी प्रखंड सह अंचल का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए जरूरी दिशा निर्देश...

- **उपायुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी से विकास योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिया**

गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उपायुक्त, श्री नमन प्रियेश लकड़ा ने गुरुवार को तिसरी प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने प्रखंड और अंचल कार्यालय में किए जाने वाले कार्यों की जांच की और पदाधिकारियों-कर्मचारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अलग-अलग विभागों को भूमि हस्तांतरण, अतिक्रमण, अवैध जमाबंदी, म्यूटेशन, आगत-निर्गत पंजी, नीलाम पत्रवाद, लगान रसीद, मनरेगा व अन्य विकास योजनाओं का निरीक्षण किया। इसके अलावा उपायुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी से विकास योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिया। प्रखंड सह अंचल कार्यालय तिसरी के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पदाधिकारियों-कर्मियों की उपस्थिति की भी जांच की। उपस्थिति पंजी की जांच करते हुए उपायुक्त ने सभी को स-समय कार्यालय आकर कार्य निष्पादन का निर्देश दिया। इस दौरान लोगों ने अपनी शिकायतें उपायुक्त के समक्ष रखी। लोगों की शिकायतों को गंभीरता पूर्वक सुनते हुए उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा उपायुक्त ने मॉडल स्कूल तिसरी का अवलोकन कर वहां उपलब्ध संसाधनों का मुआयना किया।

बड़कागांव के महटिकरा में आज होगा झारखंडी भाषा संघर्ष समिति का खतियानी महाजुटान

- **बड़कागांव में टाइगर जयराम महतो आज गरजेंगे,**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बड़कागांव झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के बैनर तले आज टाइगर जयराम महतो का बड़कागांव महटिकरा की धरती में आगमन होने जा रहा है। इसकी तैयारी कार्यकर्ता जोर शोर पर कर रहे है। और वर्तमान में सरकार के द्वारा चल रहे 60 – 40 नियोजन नीति का भी विरोध किया गया।

- ये है मुख्य मांगे– 1. जल जंगल जमीन और खनिज हमारा है, खननअधिकार हमारा है। 2. जमीन राज्य का मामला है केन्द्र का नही - भारत का संविधान ।

3. जमीन मालिक ही खनिज का मालिक है, सरकारें नहीं - सुप्रीम कोर्ट
4. पुर्णवास एवं विस्थापन आयोग का गठन ।
5. स्थानीय विस्थापितो को 75: रोजगार देना होगा।
6. खतियान आधारित स्थानीय एवं नियोजन नीति लागू करों ।

कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर मुख्य रूप से पश्चिमी जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि मोहम्मद इब्राहिम, नकुल महतो, विकास कुमार,तारकेश्वर महतो, विनय महतो, शशि मेहता, टेकलाल कुमार ,अशोक महतो, डॉ सुरेंद्र कुमार, राजकिशोर, फुलेश्वर महतो, पिंटू कुमार, विजय ठाकुर ,राजबल प्रसाद, तिलेश्वर कुमार, रंजन कुमार ,रंजन साहू, के अलावा अन्य लोग उपस्थित है।

बिजली कटौती की समस्या को लेकर पूर्व मंत्री मिली

विद्युत वितरण निगम के अधीक्षण अभियंता से

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। बिना किसी कारण के लोड सेटिंग, पावर कट एवम बिजली कटौती की समस्या को लेकर पूर्व मंत्री डॉ लुईस मरांडी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल झारखंड विद्युत वितरण निगम के अधीक्षण अभियंता के पास पहुंचा ।झारखंड विद्युत वितरण निगम के अधीक्षण अभियंता से डॉ मरांडी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के साथ साथ शहरों में भी लोड सेटिंग और पावर कट से लोग परेशान हैं। शहरी क्षेत्र में बिजली कटौती के कारण पेय जलआपूर्ति बाधित हो रही साथ ही साथ शाम के समय बिजली की आंखमिचौनी से व्यवसाय भी प्रभावित हो रहा। डॉ मरांडी ने यथा शीघ्र इन समस्याओं को दूर करने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल में डॉ मरांडी के साथ अखिलेश सिंह, अजय पाठक, भुवनेश्वर टुडू, अमित रक्षित, नवल किस्कु सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

विभाग ने आश्वस्त किया कि बिजली की आपूर्ती प्रयाप्त हो एवम एक निश्चित समय पर ही ब्रेक डाउन एवम लोड सेटिंग के लिए लाइन काटा जाएगा एवम कोशिश होगी कि पिक ऑवर में बिजली नही कटे।

बांसकुली मौजा के गरीब किसान गांव छोड़कर भागने को हो सकते हैं विवश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमकाःझारखंड अलग राज्य बनने के बाद यहां एक भूमाफिया के संरक्षण में अन्य राज्य के उद्योगपति ने खेतिहर जमीन की प्रकृति बदल कर जमीन का अवैध हस्तांतरण करा लिया हैं।बांसकुली मौजा में एक भूमाफिया ने एसपीटी एक्ट की धज्जियां उड़ाते हुए जमीन का अवैध हस्तांतरण कराकर पैसा एवं पैरवी के बल पर जमीन का म्यूटेशन भी करा लिया हैं।यहां के ग्रामीणों ने कई बार अंचल अधिकारी को लिखित शिकायत की है कि भूमाफिया ने जमीन का अवैध हस्तांतरण कराकर संबंधित जमीन संलग्न गोचर,खास,बनभूमि एवं नदी के तट को घेर लिया हैं।संथाल परगना काश्तकारी कानून के कस्टोडियन ने मामले की जांच करने के बदले जमीन का अन्य राज्य के उद्योगपति के नाम पर दाखिल खारिज कर दिया हैं। म्यूटेशन होने के बाद उक्त भूमाफिया ने जमीन के चहारदीवारी का निर्माण कराकर उद्योग स्थापित करने हेतु निर्माण कार्य करा रहा हैं ।यहां के रैयतों को उद्योगपति के संबंध में जानकारी नहीं हैं,लोगो को यह भी पता नहीं हैं कि यहां किसने फैक्ट्री स्थापित की है।जो भी हो जानकारी के अनुसार वह दिन दूर नहीं जब गांव के सीमांत किसान एवं खेतिहर मजदूरों को गांव छोड़कर पलायन करना होगा।

उप परिवहन आयुक्त सह-सचिव संथाल परगना क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार द्वारा चलाया गया वाहन जांच अभियान

ओवरलोड व अधतन कागजात नहीं रहने पर नौ मालवाहक वाहन जब्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। गुरुवार को उप परिवहन आयुक्त सह-सचिव संथाल परगना क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार दुमका जुगनू मिंज द्वारा मसानजोर एवं रानेश्वर थाना क्षेत्र में थाना के सहयोग से प्रातः 05:00 बजे से 10:00 बजे तक वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस वाहन जांच अभियान में रानीश्वर थाना के पास लगभग 30 बड़े वाहनों की जांच की गई,जिसमें से 05 बड़े वाहनों को ओवरलोड तथा अन्य कागजात दुरूस्त नहीं रहने के कारण जब्त कर थाना के सुर्पूद किया गया। रानीश्वर थाना क्षेत्र में ही 11 मोटर साईकिलों के चालकों को हेलमेट नहीं पहनने के कारण आंनलाइन चालान निर्गत किया गया।

वहीं मसानजोर थाना के पास लगभग 20 बड़े वाहनों का जाँच किया गया, जिसमें से 04 बड़े वाहनों को ओवरलोड तथा वाहन के अन्य कागजात अद्यतन नहीं रहने के कारण जब्त कर थाना के सुर्पूद किया गया।

आज के वाहन जांच अभियान में उप परिवहन आयुक्त सह-सचिव के साथ कार्यालय कर्मी मुकेश कुमार,सुनील कुमार पाण्डेय तथा थाना के कर्मी उपस्थित थे।

ईचागढ़ थाना में हुई शांति समिति कि बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। ईचागढ़ । सरायकेला खरसावां जिला के ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के ईचागढ़ थाना परिसर में गुरुवार को बीडीओ कीकू महतो की अध्यक्षता में शांति समिति कि बैठक आयोजित कि गई। वहीं बैठक में रमजान पर इद में शांति व्यवस्था बनाए रखने व भाईचारे के साथ मनाने व सड़क सुरक्षा को लेकर चर्चा किया गया। शांति समिति कि बैठक में बीडीओ कीकू महतो ने लोगों को सौहार्द पूर्ण वातावरण में ईद मनाने का अपील किया। उन्होंने शांति समिति के सदस्यो व पंचायत प्रतिनिधियों को ईद में शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने,नशे के हालत में उत्पात मचाने व आपसी सौहार्द को बिगाड़ने का कोशिश करने वालों का जानकारी थाना को देने का अपील किया। उन्होंने कहा कि भाईचारे का महा पर्व मिलजुलकर मनाएं। बताया कि शनिवार को ईद का महापर्व होना है और सभी समुदाय एक दूसरे के साथ सौहार्द बनाए रखने की जरूरत है। वहीं थाना प्रभारी गौरव मिश्रा ने कहा कि रमजान माह का अंतिम दिन ईद में हुड़दंगियों,वाटसप पर गलत मैसेज भेजने व शराब के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कि जाएगी । उन्होंने कहा कि सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई से पालन करने व कराने का भी अपील किया गया। मौके पर जिला परिषद जोतीलाल मांझी, प्रमुख गुरूपद मार्डी ,एसआई मनिंदर सिंह ,मुखिया राखोहरी सिंह मुण्डा, रागीनी उरांव, साइफूल अंसारी,अमीरूद्दीन अंसारी, अनील सिंह, मुरलीधर मिश्रा, अमित सिन्हा, अमुल्य रत्न प्रामाणिक, दयाल सिंह मुण्डा,ललीत घोष आदि उपस्थित थे।

ऋण प्राप्त लाभुकों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। देवघर। नगर आयुक्त के निर्देशानुसार दिनांक 25/4/ 2023 दिन मंगलवार को भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से दीनदयाल अंत्योदय योजना -राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के घटक स्वरोजगार कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक द्वारा ऋण प्राप्त लाभुकों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।नगर आयुक्त के द्वारा बताया गया कि इस योजना के अंतर्गत व्यक्तिगत व्यवसाय हेतु कुल 108 लाभुकों को भारतीय स्टेट बैंक के द्वारा लगभग 1.5 करोड़ रूपए का ऋण प्रदान किया गया है तथा सभी को डिजिटल ट्रांजैक्शन हेतु क्यू आर कॉड प्रदान किया गया है,जिससे लगभग 108 परिवार लाभान्वित हुए हैं, इस कार्यक्रम में सभी लाभुकों को डिजिटल लेनदेन, ऋण के सदुपयोग,ऋण वापसी का महत्व आदि के बारे में जानकारी दी जाएगी।

सदर अस्पताल में अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह दिवस पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। देवघर। सदर अस्पताल देवघर में अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह दिवस के अवसर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया जिसमें फायर सेफ्टी- आग लगने पर जान-माल को कैसे बचाया जा सकता है का प्रशिक्षण स्वास्थ्य कर्मी चिकित्सक पदाधिकारी मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी एवं अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया। अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह दिवस 14 अप्रैल से लेकर 20 अप्रैल तक मनाया जा रहा है । जागरूकता व प्रशिक्षण अभियान का आयोजन व संचालन अग्निशमन पदाधिकारी जिला देवघर गोपाल यादव के नेतृत्व में किया जा रहा है ।

पानी रे पानी अभियान विश्व पृथ्वी दिवस पर आयोजित किया जाएगाः डॉ रणजीत कुमार सिंह

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

राजमहल । मॉडल कॉलेज राजमहल के प्राचार्य डॉ रणजीत कुमार सिंह तथा मुख्य अतिथि जगमोहन सिंह के द्वारा दर्जनों छात्र छात्राओं के बीच भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का सर्टिफिकेट वितरण किया गया। जिसमें से प्रथम स्थान कोमल कुमारी, द्वितीय स्थान स्वीटी कुमारी ने प्राप्त किया। मुख्य अतिथि जगमोहन सिंह के द्वारा प्रथम और द्वितीय छात्रा को सर्टिफिकेट के साथ-साथ पुरस्कार दिया गया। अतिथि तथा छात्रों के द्वारा आगामी 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस को देखते हुए कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण किया गया। प्राचार्य डॉ रणजीत कुमार सिंह ने आधा दर्जन पेड़ पौधे लगाएं और उसे सुरक्षित करने का संकल्प लिया। सभी ने कहा कि हम अपने जन्म दिन या कोई उत्सव पर एक पेड़ उपहार स्वरूप दें, पेड़ लगाए और उसे सुरक्षित करें।वृक्ष का महत्व को छात्रों के बीच रखा।

विश्व पृथ्वी दिवस के पूर्व आज मॉडल कॉलेज राजमहल में बच्चो को भविष्य में प्लास्टिक, पॉलिथिन, का उपयोग नहीं करेंगे खुद वृक्षारोपण करेगें औरो को भी प्रेरित करेगें जल को व्यर्थ बहने नही देगें वन्य प्राणियों की रक्षा करेंगे। जंगल में आग न लगाएं इससे पृथ्वी और जंगली जीव जानवरों को काफी नुकसान पहुंच सकता है।

पेड़ पौधे पहाड़ प्रकृति पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता को बचाए।मौके पर छात्र छात्राओं और कॉलेज कर्मी मोहन सिंह, सुमित कुमार , करमू महतो, प्रकाश महतो, बबलू हेंब्रम, शयामलाल उराव,मयंक,सीमा,सोनाली, चन्दन ।,प्रियंका,सोना,सुमन, विवेक और दर्जनों छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सांसद से मिले जिला खेलकूद संघ के प्रतिनिधि

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। देर शाम स्थानीय सांसद सुनील सोरेन ने जिला खेलकूद संघ के प्रतिनिधियों से मुलाकात की।सांसद खेल महोत्सव की समीक्षा के लिय सांसद सिदो कान्हु इंडोर स्टेडियम आए थे जहां उमाशंकर चौबे के नेतृत्व में विभिन्न खेल कूद समिति के प्रतिनिधि मौजूद थे।संघ के सदस्य एवं खिलाड़ियों से मिलते हुए सांसद ने उनकी परेशानियां सुनी एवं अपने स्तर से निदान का आश्वासन भी दिया। जिला शतरंज संघ को दो दर्जन अंतराष्ट्रीय चेस बोर्ड उपहार में दिया जबकि बैडमिंटन संघ के लिय इंडोर में प्रयुक्त होने वाले विशेष जूते भी सहयोग के रूप में दिए ताकि नवोदित खिलाड़ी या संसाधनों के अभाव में कोई खिलाड़ी खेलने से वंचित न हो। जिला कैरम संघ ने कैरमबोर्ड की आवश्यकता से संसद महोदय को अवगत कराया जबकि जिला कराटे एवं मार्शल आर्ट के लिए किट की मांग रखी गई जिसके लिए सांसद ने आश्वस्त किया।सभी संघ के पदाधिकारियों खिलाड़ियों से औपचारिक परिचय प्राप्त कर सुनील सोरेन ने कहा की हमने कई अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए है , किसी भी खिलाड़ी को संसाधनों की समस्या नही आने दी जाएगी। उक्त अवसर पर भाजपा के वरिष्ट नेता विनोद शर्मा, जिला खेलकूद संघ के उमाशंकर चौबे, जिला बैडमिंटन संघ के सचिव दीपक झा, अंजनी शरण, जिला शतरंज संघ के घनशयाम साह, विकास वैद्य, प्रदेश कैरम संघ से मुकुल झा, जयराम शर्मा एवं दर्जनों लोग उपस्थित थे।

LGBT, Man and Woman

Professor M.C.Behera

Jharkhand Dekho desk: LGBT (lesbian, gay, bisexual and transgender) issue has generated heated debate in these days at different circles engaging the attention of judiciary, government, civil societies, intellectuals, common people and the category itself. The issue centres round the demand for legalisation of same-sex marriage. This demand is not simple and specific to the issue of rights entitlement of a section of citizens. It is encompassing, for it has implications which touch upon existing marriage rules, religious traditions, traditional social values, government's stand, rights of petitioners and several other issues. It is a very crucial issue of our time and a topic in the process of making history in social, religious, political and legal domains of the country.

The author does not claim expertise in law, religion, or take side with either of the views- legalisation of same sex marriage or its opposition. Therefore, the article is an exercise to understand several questions which have cropped up in common people's mind consequent upon court hearings. It should be clarified that the issue of recognition to the existence of LGBT as human category or normative dimension in the demand for same sex marriage is not central to the discussion in this article. As the issue is the topic of discussion, it should be mentioned that the LGBT category is an existential reality. The focus is on an understanding of human rights issue underlying the demand and situating interpretation of the LGBT category at a perspective within man and woman divide of humanity in Indian context.

Further, possibility of an alternative way of solving the problems has an implied focus in the article. Besides, the alternative way, it is argued, should not consider the problem in isolation as a separate category of a specific group, but as the problem having national bearing and as reflects in specific context. So, the solution shall be attempted at a comprehensive exercise, holistic in approach but contextual in focus, within pluralistic cultural tradition of the country. The solution of specific problem shall not be appalling to general interest in the larger context. The scope of argument in this article underlies this essence, and nothing more or less for any other interpretation.

How far an intellectual interpretation of man and woman beyond biological construct will be useful to resolve the issue is definitely a matter of debate. Fluidity in conceptualisation of man and woman as a division of humanity, as supported by CJI, is the topic of scrutiny. The question is whether this interpretation is useful to resolve same sex marriage issue in desirable and acceptable ways to the satisfaction of both proponents and opponents.

The logic of binarity often ignores existence of third or more intermediary spaces. Man and woman categories of humanity are binary divisions and predominant idea that has social, biological, and religious implications. However, the predominance of the idea of man and woman does not ignore the existence of other categories and category-inherent behaviour; the problem is about their acceptance within the norms, believed to be the standard, which evolved around man and woman categories. The third category, LGBT in this case, has its own space in the category of humanity, though behavioural aspect is not inclusive of 'standard' norms. LGBT has its own distinct space in the humanity, specific problems concerned with human being, and therefore seeking solution within behavioural norms of man and woman would amount to out of context exercise. Man and woman are biological categories having socio-cultural determined role to play. So is also the LGBT group, but the role and perception about them do not enjoy status equal to that of man and woman. In fact, man and woman are not equal in their status role in a society, but they together define a social rule in the form of marriage and procreation. The latter rule, i. e. the rule of procreation that goes with biological man and woman, is not applicable to LGBT and so equality with man and woman is a question to be addressed in a different context. A married man and woman are expected to take care of parents to inherit property. Taking care has physical and mental aspects. A child born of the couple, the grand child is a source of mental satisfaction. There is also spiritual satisfaction. It has no meaning for persons who are too much materialistic and individualistic. But their numbers are less and very less in rural and traditional societies.

Till now, man and woman are not understood and explained with reference to a conceptual framework other than biological and social contexts. Will defining man and woman as a concept add more to our understanding of their status role? An example may be useful to make the point clear. When a woman cooks rice in a pot, she tests few grains to infer whether all rice in the pot is perfectly cooked or not. She has been doing it since time immemorial till the process has been designated as 'sampling' probably one or two centuries ago. The designation is to suit to our apparently structured functional mind. To the woman, the practice has no name, and a name for the practice has no meaning as far as she knows what she does and why she does so. This simple example is cited to bring the point home that all phenomena, objects and ideas can be perfectly functional in a general context without reducing them to concepts or theories. And conceptualisation has no meaning for common people; dictating their behaviour within conceptual advances would mean disrespect to their ways of life and homogenisation of diversity in thinking.

The idea of conceptualisation has academic relevance. The idea without conceptualisation is a truism (self-evident, needs evidence for explanation). Undoubtedly, the idea of man and woman is a truism; reduction of it to a conceptual frame would attach a meaning to it different from what it conveys (it being a truism) to ordinary people and scholars alike. When a truism is reduced to a concept, its perceptive narrows down, for concepts are based on some criteria or assumptions. The notion of forest, for example, when is conceptualised in a resource frame, then its comprehensive and composite meaning of trees, fruits and roots, animals, ownership, spirituality, aesthetics is reduced to mere commodity.

Common people have their own perception having shaped through beliefs and practices. Will not imposition of concepts and theories on them in the name of scientific temper amount to a disrespect to their life ways and the rights they believe in? Is the imposition proper when they do not understand and have use of it? Is scientific knowledge developed in universities, laboratories and in formal ways is the only knowledge to be followed by the entire humanity? What's about the informal system of knowledge which has kept humanity survive before the development of scientific knowledge? Is not imposition of concepts or theories a tendency to homogenise the diversity we celebrate, particularly in India. It should be mentioned that the Constitution of India is based on diversity. Does homogenisation through conceptualisation is a respect for diversity and the Constitution? Cannot the problem of LGBT group of humanity be attempted for a solution considering them one of the categories in a nation of diversity?

Conceptualisation is an attempt at interpretation on the basis of assumptions. This means there may be other assumptions for construction of different concepts and interpretations. Even an interpretation can be reinterpreted with more evidences and knowledge or with adjustment of assumptions. However, the attempt at conceptualisation of the idea of man and woman questions many established traditions. As we know, in reproduction process combination of XX genotype determines biological woman and XY genotype determines biological man. The biological reality is at the root of the notion of man and woman with socio-cultural meaning. In Christianity the character of Lilith (explicit in Isaiah, 34:14 and implied in Genesis, 2:22), the first wife of Adam epitomises the idea of feminism. Creation myth of Christianity, Islam and Hinduism underlies the belief system, the astha of each religious group. In such belief system the idea of man and woman with regard to the rule of marriage and procreation is well established. Any further interpretation will be appalling to the ideas prevalent and followed by millions. Arguably this demands for solution of the problem without dismantling the system or creating known and unknown problems for future.

An idea is not absolute as long as it is derived from assumptions. But no idea is absolute either. When idea is a truism, it is nearer to absolute understanding then concepts which are contextual construct. Absoluteness of the idea is confined to conditions, but not to its total perspective.

The demand for same sex marriage has psychiatrists' support as we read in newspapers. A few psychiatrists do not make the opinion of all of its kind. Is LGBT problem a psychiatric one? In fact the problem has social, economic, political, legal and religious dimensions. One may support the cause as an individual, but not as a professional whose expertise stands out of context as we understand the problem from demand for legalisation of same sex marriage. Similarly, another argument forwarded in its support and against lack contextual significance. Instances of legalisation of same sex marriage in 55 countries and non-legalisation in sub-Indian continent cited to support or oppose the cause is not a valid reason. The logic that others have done it or did not do it should not guide our context and influence out decision making process. The world is not a place of few countries and each and every country has its values, customs, goals, hopes and aspirations. Understandably, the problem of LGBT shall be considered on its own merits in Indian context, not on the merit of borrowing instances. Solution of a problem should not be the cause of birth of other problems and an imposition for others.

(Rajiv Gandhi University, Rono Hills, Doimukh, Itanagar,Papum Pare District,Arunachal Pradesh-791112, Email: mcbehera1959@gmail.com;The views expressed by the author are his own and in no way the Editor be held responsible for the them—Editor.)

उपायुक्त के निर्देश पर सड़क सुरक्षा अभियान की हुई समीक्षात्मक बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देशानुसार जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय के सभागार में सड़क सुरक्षा आभियान की प्रगति को लेकर जिला स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।इस दौरान बैठक में जिला कार्यालय से एड़ीपीओ शिवशंकर प्रभात, एपीओ डॉली कुमारी, संजय कुमार, डीआरपी मधु कुमारी एसीपी अनिल कुमार सहित सभी प्रखण्ड के प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी,प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखण्ड एमआईएस एवं जिला परिवहन कार्यालय के सड़क सुरक्षा कोषांग से जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक शिव कुमार राय आदि उपस्थित थे।

इसके अलावा बैठक में सभी को सड़क सुरक्षा के तहत विद्यालय में होने वाले कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही एक जिला स्तरीय व्हाट्स ग्रुप का निर्माण कराके उसमें सभी प्रखण्ड के स्कूल में कराए गए कार्यक्रम एवं गतिविधि का फोटो/अभिलेख भेजने का निदेश दिया गया। आगे सड़क सुरक्षा जागरूकता को लेक र किए जाने वाले विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवशयक दिशा निर्देश दिया गया।

पेयजलापूर्ति द्वारा लाखों खर्च कर बनाई जलमीनार बनी शोभा की वस्तु

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पालोजोरी । पालोजोरी प्रखंड क्षेत्र के कुंजबोना पंचायत के नगरिया नवाडीह स्थित पेयजलापूर्ति द्वारा लाखों की लागत से निर्मित सोलर जलमीनार शुरूआती दौर में हैं नाकाम हो गई। वहीं जब इस सोलर जलमीनार को शुरूआती दौर में परिक्षण के दौरान जलमीनार में पानी सप्लाई करने की कोशिश की लेकिन कोशिश नाकाम रहा। वहीं ग्रामीणों का कहना है की जहां सरकार हर घर नल जल पहुंचाने की बात करती हैं। साथ ही लोगों ने कहा की हमारे गांव में हर घर नल जल पहुंच पाने की आश अब धरी की धरी रह गई। जबकि सोलर जलमीनार में भी काम करवा रहे संवेदक का भी संवेदनहीनता की मनमानी देखने को मिला। साथ ही सोलर जलमीनार अनियमिता व भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। जबकि सोलर जलमीनार में पानी सप्लाई करते ही पानी टंकी से पानी चू जा रही है। जिसको लेकर ग्रामीणों का कहना है की डोर टू डोर बिछाये गये पाइप लाइन के जरिए घर -घर तक पहुंचाये गये।नल द्वारा जब पानी सप्लाई ना देने पर लोगों की नाराज़गी देखने को मिला। वहीं लोग कहना है कि ग्राम नगरिया नावाडीह में पेयजल की मुहैया कराई तो गई। लेकिन सिर्फ नाम मात्र इस गांव की आबादी कम से कम डेढ़ सौ की है फिर भी लोग इस भीषण गर्मी में पानी को लेकर इधर-उधर भटकते नजर आते हैं।

इलाज के दौरान डॉक्टर की तबीयत बिगड़ी,भर्ती

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

सदर अस्पताल में गुरुवार को मरीजों को इलाज कर रहे हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर रवि जीत प्रकाश की तबीयत अचानक बिगड़ गई। जिससे वह अपने चेंबर की कुर्सी में इलाज के क्रम में अचानक बेहोश हो गया। जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई आनन-फानन में उसे इलाज के लिए आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी सीएस युगल किशोर चौधरी डीएस डॉक्टर प्रभात रंजन एवं ओपीडी में इलाज कर रहे डॉक्टर प्रेम प्रकाश डॉ शंकर लाल मुर्मू डॉक्टर चितरंजन पंकज सहित अन्य चिकित्सक आईसीयू वार्ड पहुंचकर बेहोशी डॉक्टर को इलाज कराया। वही घटना की जानकारी हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर रवि जीत प्रकाश के परिजन को दे दिया। सूचना मिलते ही परिजन सदर अस्पताल पहुंच कर अपने परिजन का इलाज करा रहे हैं। इस संदर्भ में डीएस डॉक्टर प्रभात रंजन ने बताया कि अत्यधिक गर्मी के कारण यह घटना हुई है। डॉक्टर का इलाज चल रहा है। उन्होंने उसे खतरे से बाहर बताया।

● क्या कहते हैं सीएस : सीएस डॉक्टर युगल किशोर चौधरी में बताया कि अत्यधिक गर्मी लू चलने से इन दिनों लोगों को परेशानी हो रही है। ऐसे में गुरुवार को मरीजों को देख कर रहे हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ रवि जीत प्रकाश की तबीयत बिगड़ी है। अन्य डॉक्टरों की टीम द्वारा उसकी देखभाल कर रहे हैं। जल्द वह ठीक हो जाएंगे।

नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिकूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडिया अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।

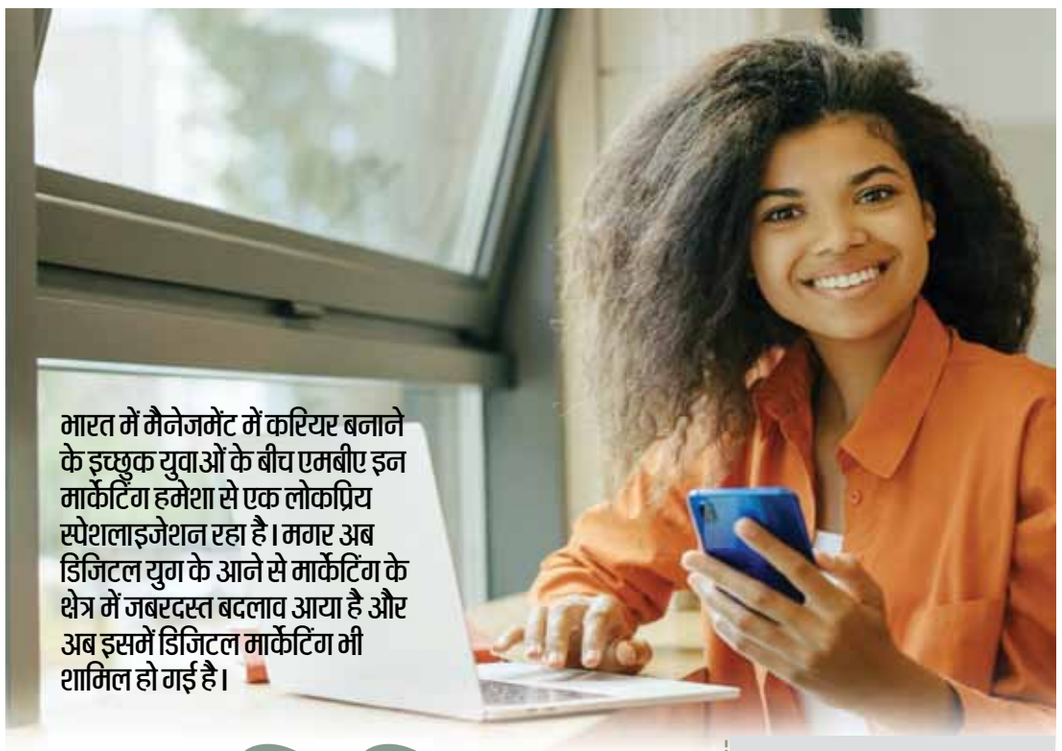

भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, डिजिटल मार्केटिंग के बारे में थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग से कैसे अलग

जहां 'मार्केटिंग'' में सभी प्रकार की मार्केटिंग आती है, वहीं 'डिजिटल मार्केटिंग'' में केवल डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई मार्केटिंग शामिल है। इनमें वेबसाइट, सोशल नेटवर्क, बैनर ऐड, गूगल ऐड, सर्च रिजल्ट, यूट्यूब वीडियो आदि आते हैं। परंपरागत मार्केटिंग में विज्ञापनदाता से उपभोक्ता की ओर सूचना का एकतरफा प्रवाह होता है। वहीं डिजिटल माकेटिंग में दोतरफा संवाद संभव है। परंपरागत मार्केटिंग में जहां विज्ञापन की लागत बहुत अधक आती है, वहीं डिजिटल मार्केटिंग में यह कम रहती है। परंपरागत मार्केटिंग कैंपेन काफी पहले से प्लान किए जाते हैं मगर डिजिटल कैंपेन तात्कालिक भी हो सकते हैं।

एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग

कई युवाओं का तर्क होता है कि केवल डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए कर अपनी पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर ऑप्शन बन गया है।

क्या है स्कोप

हमारे यहां अब भी यह फील्ड अपने शुरूआती दौर में है और इसके बड़ी तेजी से विस्तार लेने की उम्मीद है। डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए के विद्यार्थियों को तकनीकी बुनियाद तथा डिजिटल लैंग्वेज के कॉन्सेप्ट्स से रूबरू कराया जाता है। इसमें ये विषय भी शामिल होते हैं : वेब एनालिटिक्स, एडवर्टाइजिंग कम्युनिकेशन, बायर बिहेवियर, मार्केटिंग मैनेजमेंट, बी2बी ई-मार्केटिंग, इंटरनेट मार्केटिंग स्ट्रैटेजी आदि। भविष्य में इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग आदि के भी शामिल किए जाने की संभावना है।

पे-पैकेज

काफी नई फील्ड होने के बावजूद डिजिटल मार्केटिंग वेतन के लिहाज से बेहद आकर्षक है। एक नया डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 4 से 5 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज पा सकता है। अनुभव के साथ इसमें तीव्रता से वृद्धि होती है। 5 से 7 साल का अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 10-12 लाख का वार्षिक पैकेज पा सकता है।

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर'' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर

अगर आपमें डेटा कलेक्शन और प्रोसेसिंग का हुनर है, तो आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर को मुख्य रूप से मार्केट रिसर्च एनालिस्ट के रूप में काम करना होता है। वे कस्टमर बिहेवियर डेटा का अध्ययन कर यह तय करते हैं कि उत्पाद या सेवा की बिक्री की कितना संभावना है। इसमें एमबीए की डिग्री के अलावा मार्केट रिसर्च एंड एनालिसिस में सर्टिफिकेशन आपके काम आएगा।

डिजिटल सेल्स मैनेजर

मार्केटिंग व सेल्स एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सो कई कंपनियां डिजिटल सेल्स की जिम्मेदारी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोफेशनल को सौंपती हैं। यदि आपको डिजिटल मीडिया व निजता कानूनों, ब्राण्ड मैनेजमेंट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि का ज्ञान है, तो डिजिटल सेल्स मैनेजर के रूप में यह आपको बहुत काम आएगा।

साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत : रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधति विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

भारत की आबादी पर चीन बोला- संख्या नहीं, क्वालिटी जरूरी:चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा- हमारे 90 करोड़ लोग कामकाजी, इनमें टैलेंट भी है

संयुक्त राष्ट्र संघ ने बुधवार को आंकड़े जारी कर बताया था कि भारत ने आबादी के मामले में चीन को पछाड़ दिया है। इसके ठीक एक दिन बाद चीन ने भारत के लोगों को लेकर विवादित बयान दिया है।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वैंग वेनबिन ने कहा कि किसी देश की आबादी ही नहीं बल्कि उसकी क्वालिटी भी जरूरी होती है । वैंग वेनबिन ने ये बात गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत की आबादी से जुड़े सवाल के जवाब में कही है।

चीन में वर्किंग एज के 90 करोड़ लोग

वैंग ने कहा, 'तादाद के साथ-साथ किसी भी देश में टैलेंट होना भी जरूरी है। चीन में 90 करोड़ लोग वर्किंग एज में हैं यानी वो कामकाज करने की उम्र में हैं। जबकि, हमारे यहां औसतन एक व्यक्ति कम से कम 10 साल से ज्यादा समय स्कूल में पढ़ाई करता है।

दरअसल, भारत में ये आंकड़ा चीन से कम है। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक यहां औसतन एक व्यक्ति 5 साल ही स्कूल जा पाता है।

वैंग वेनबिन ने ये भी कहा कि चीन में बुजुर्गों की बढ़ती तादाद से निपटने के लिए तीन बच्चों की पॉलिसी पर विचार किया जा रहा है।

यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड (वठ्रह्लअ) की रिपोर्ट के मुताबिक अब भारत की जनसंख्या 142 करोड़ 86 लाख है। वहीं चीन की जनसंख्या 142 करोड़ 57 लाख है। यानी हमारी आबादी चीन से करीब 30 लाख ज्यादा है। 2022 में चीन की आबादी में 60 साल में पहली बार कम हुई थी। पिछले साल चीन के नेशनल बर्थ रेट में रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई थी। चीन में साल 2022 में 95 लाख बच्चे पैदा हुए, जबकि साल 2021 में वहां 1 करोड़ 62 लाख बच्चे पैदा हुए थे।

नेशनल ब्यूरो स्टेटिस्टिक्स ने बताया था कि चीन में साल 2021 में बर्थ रेट 7.52% था जो साल 2022 में घटकर 6.67% रह गया। इसका मतलब यह हुआ कि चीन में जहां साल 2021 में कुल हजार लोगों पर 7.52 बच्चों को जन्म होता था वो 2022 में घटकर 6.67 रह गया। ये साल 1949 के बाद सबसे कम है।

कम बच्चे पैदा हुए फिर कैसे बढ़ी भारत की आबादी:आबादी बढ़ने से गरीब नहीं हो जाते देश, पॉपुलेशन से जुड़ी 5 मान्यताओं की हकीकत

19 अप्रैल को यूनाइटेड नेशन ने भारत को दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बताया। आमतौर पर भारत में बढ़ती आबादी की वजह ज्यादा बच्चों का पैदा होना माना जाता है, लेकिन ऐसा नहीं है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे यानी ठ्रह्लठ्र की रिपोर्ट के मुताबिक 1992 से 2020 के दौरान भारत में प्रजनन दर 3.4 से घटकर 2 हो गई है।

इसका मतलब ये हुआ कि भारत में एक महिला कभी औसतन 3 से ज्यादा बच्चे पैदा करती थी, यह संख्या अब घटकर 2 रह गई है। इसके बावजूद देश की आबादी तेजी से बढ़ी है। वहीं, वठ के मुताबिक भारत में 2019 के बाद से हर साल 1.2% कम बच्चे पैदा हुए हैं।

आज इस स्टोरी में यूनाइटेड नेशन की रिपोर्ट के हवाले से भारत और दुनिया में आबादी से जुड़े 5 मिथ और उनकी हकीकत को जानेंगेङ्ख

यूनाइटेड नेशन्स के मुताबिक बढ़ती जनसंख्या का मतलब ये नहीं कि ज्यादा बच्चे पैदा हो रहे हैं। बल्कि इसका मतलब ये है कि पैदा हुए बच्चों को बेहतर सुविधाएं मिली हैं। इससे उनकी आयु बढ़ी है और उन्हें बड़े होने का मौका मिला। 1990 से अब तक लोगों की उम्र में 10 साल की बढ़ोतरी हुई है। यानी 1990 में अगर जीवन जीने की औसत उम्र 50 साल थी तो ये अब बढ़कर 60 हो गई है।

मार्ग-दर्शन

क्रेसिन ने अपनी बुद्धिमानी व श्रम से जीता मुकदमा

इटली में क्रेसिन नाम का किसान रहता था। वह बुद्धिमान और परिश्रमी था। अपनी खेती में उन्नति के लिए वह सदैव प्रयत्नशील रहता था। एक बार उसने अपनी मेहनत के दम पर इतनी अच्छी पैदावार की कि लोग आश्चर्य के साथ ईर्ष्या करने लगे। लोगों ने सोचा कि अवश्य ही क्रेसिन कोई जादू जानता है। उन्होंने इस बात को लेकर अदालत में अपील की। न्यायाधीश ने पहले वादी का बयान सुना, जिसमें उसके द्वारा जादू करने तथा इसे नियम विरुद्ध बताकर उसे दंडित करने का आग्रह किया। न्यायाधीश ने क्रेसिन की ओर उन्मुख होकर पूछा – इस पर तुम्हारा क्या कहना है? क्रेसिन ने अपनी एक हृष्ट-पुष्ट लड़की, अपने खेती के औजार, बैल आदि को अदालत के सामने खड़ा कर कहा– मैं खेत को भली-भांति जोतकर, खाद डालकर अच्छा तैयार करता हूं। मेरी लड़की बीज बोती है और पानी आदि देकर खेत की ठीक से देखरेख करती है। इसी तरह मेरे औजार भी उत्तम हैं और मेरे बैल भी एकदम स्वस्थ व सबल हैं, क्योंकि मैं इन्हें खूब खिलाता-पिलाता हूं। मेरे खेत में काफी पैदावार होने पर ये लोग जिस जादू की बात करते हैं वह जादू इन सब में है, जो आपके सामने मैंने प्रस्तुत किए। न्यायाधीश बोले– आज तक कई आरोपी मेरे सामने आए, किंतु इतने सबल प्रमाण किसी ने भी प्रस्तुत नहीं किए। मैं इन्हें मु त करता हूं। यह कहकर न्यायाधीश ने क्रेसिन को मुक्त कर दिया। वस्तुत: किसी भी कार्य में पूर्ण सफलता कठोर परिश्रम से ही प्राप्त होती है। साथ ही साधनों का उत्कृष्टतम उपयोग सफलता की गारंटी है।

जीने की राह

यदि सत्य जीवन में है तो वह सभी को साध लेगा

जीवन में ईश्वर को लाने के लिए सदगुणों का साथ बहुत जरूरी है। कहते हैं यदि सत्य नाम का एकमात्र सद्गुण जीवन में है तो वह बाकी सबको साध लेगा, लेकिन जीवन में सत्य उतारना और उसका पालन करना कभी-कभी बड़ा कठिन हो जाता है। सत्य को भी कोई सहारा चाहिए टिकने के लिए, इसीलिए भारतीय संस्कृति में सत्य के साथ परमात्मा को जोड़ दिया गया है, क्योंकि परमात्मा का अर्थ है सत्, चित्त और आनंद। सत् यानी अस्तित्व (एक्जिस्टेंस) और सत्य के मायने होते हैं-ट्रुथ। यूं तो ऊपर से ये दोनों एक ही दिखते हैं, परंतु गहराई में भिन्नता हैं। संसार में अनेक प्रसंग ऐसे होते हैं जो सत्य होते हैं परंतु सत् नहीं और कुछ घटनाएं ऐसी होती हैं जो सत् होती हैं परंतु सत्य नहीं। जैसे शिक्षा में गणित विषय सत्य है, परंतु सत् नहीं है। सपने सत् हैं परंतु सत्य नहीं। लेकिन परमात्मा सत् भी होता है, सत्य भी होता है, वह दोनों है। यदि दोनों को अपनाना है तो न तो गणित काम आएगा, न कोई कला, न कोई सपना। दोनों को अपनाने के लिए स्वयं को पाना होगा। ईश्वर से जोड़ता है सत्। सत्यव्रत के प्रति श्रद्धा जगाएं, पर ध्यान रहे वह श्रद्धा तामसिक न हो। गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है : श्रद्धा तीन प्रकार की होती है– सात्विक, राजसी व तामसी। श्रद्धा का अर्थ है सत्य और ईश्वर पर श्रद्धा की जाए। *श्रत् सत्यम धा धारणे।* सत्य का धारण श्रद्धा से होता है और जैसे ही मन में सत्य आता है, साहस लाता है, हृदय में प्रसन्नता होती है। परिणाम में सफलता मिल जाती है।

उत्तर प्रदेश में अतीक की हत्या पर उठते सवाल ?

माफिया अतीक अहमद और उसके भाई असरफ के आतंक का अंत इस तरीके से होगा इसकी उत्तर प्रदेश पुलिस और खुद अतीक और उसके परिवार को इसकी कल्पना नहीं रहीं होगी। लेकिन यह सच था कि पुलिस की कार्रवाई को लेकर वह सहमा था। उसके भीतर कहीं न कहीं यह भय था कि उसकी भी हत्या कि जा सकती है। झाँसी में बेटे असद के एनकाउंटर के बाद उसका डर और गहरा हो गया था। इस घटना के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस और राज्य की कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में है। सवाल उठता है कि इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में अतीक और असरफकी हत्या कैसे हुई।

विपक्ष का सवाल उठाना लाज़मी है कि फिर कानून व्यवस्था का क्या मतलब है? क्योंकि अतीक माफिया भले था लेकिन उसी प्रयागराज से पांच बार विधायक और एक बार सांसद रह चुका था। जिस तरह पुलिस अभिरक्षा में घूस कर तीन युवकों ने गोली मार कर हत्या कि वह अपने आप में बड़ा सवाल है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती, अखिलेश यादव और ओवैसी ने इस हत्या की तीखी आलोचना की है। उधर सपा के महासचिव रामगोल यादव ने अतीक के बाकि बचे बेटों के हत्या की भी आशंका जतायी है। उन्होंने इसे सुनियोजित हत्या बताया है। योगी सरकार ने इस घटना की रिपोर्ट केंद्रीय गृहमंत्रालय को भी भेजा है।

पुलिस अभिरक्षा में अतीक और असरफ की हत्या की घटना को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीरता से लिया है। राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़े न इसके लिए राज्य पुलिस को कड़े निर्देश दिए गए हैं। प्रयागराज में जहाँ इंटरनेट बंद कर दिया गया है। वहीं पूरे प्रदेश में धारा 144 लागू कर दी गयीं है। घटना के सम्बन्ध में 17 पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। राज्य पुलिस मुख्यालय से पांच आईपीस अफसरों को कानून-व्यवस्था निगरानी और समीक्षा के लिए भेजा गया है।

अब अतीक की हत्या को मजहबी रंग भी दिया जाने लगा है। लेकिन कानून-व्यवस्था पर तो सवाल तो उठेगा ही। निश्चित रुप से अतीक और उसके गुर्गो को उसके गुनाहों की सजा मिलनी चाहिए थी। इसके लिए संवैधानिक गतिविधियां

विपक्ष का सवाल उठाना लाज़मी है कि फिर कानून व्यवस्था का क्या मतलब है? क्योंकि अतीक माफिया भले था लेकिन उसी प्रयागराज से पांच बार विधायक और एक बार सांसद रह चुका था। जिस तरह पुलिस अभिरक्षा में घूस कर तीन युवकों ने गोली मार कर हत्या कि वह अपने आप में बड़ा सवाल है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती, अखिलेश यादव और ओवैसी ने इस हत्या की तीखी आलोचना की है।

अपनायी गयीं थीं। प्रयागराज की एमपी-एमएलए कोर्ट ने उमेशपाल हत्याकाण्ड में अतीक के खिलाफ सजा भी सुनायी थी। साबरती से उसे दूसरी बार पुलिस रिमांड पर प्रयागराज ले आया गया था। माफिया डॉन अबू सलेम और पाकिस्तान कनेक्शन पर भी धूमनगंज थाने में पूछताछ हो रहीं थी। लेकिन जिस तरह अतीक की हत्या को अंजाम दिया गया वह किसी बड़ी साजिश की तरफ इशारा करती है।

प्रयाराज में मेडिकल परिक्षण के दौरान अतीक और उसके भाई की हत्या को लेकर उसकी अभिरक्षा में लगी पुलिस भी सवालों को घेरे में हैं। सवाल उठता है कि रात में जिस समय अतीक पर हमलावर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा रहे थे उस दौरान पुलिस क्या कर रहीं थी। पुलिस ने काउंटर फायरिंग क्यों नहीं किया। अतीक कोई मामूली कैदी नहीं था वह पांच बार का विधायक और सांसद रह चुका था। वह बेहद हाईप्रोफ़ाइल व्यक्ति था उसकी हत्या कोई सामान्य बात नहीं है।

जब आरोपित गोलियां बरसा रहे थे तो पुलिस को उन पर कवर फायरिंग करना था। लेकिन पुलिस ने ऐसा क्यों नहीं किया। इस मीडिया रिपोर्ट में अतीक का जो वीडियो आया है उसमें साफदिख रहा है कि उसे एकदम सटाकर गोली मारी गयीं। आरोपित ताबड़तोड़ गोली मारते रहे और पुलिस मौन ही। इस घटना में एक पुलिस वाले और पत्रकार के घायल होने की खबर है। लेकिन पुलिस ने ऐसा नहीं किया, हमलावर आराम से हत्या कर हथियार डाल कर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करते हैं। अगर पुलिस की कवर फायरिंग में तीन में किसी भी बदमाश को गोली लगती तो पुलिस की भूमिका पर सवाल न उठते।

प्रयागराज में अतीक की हत्या किसी बड़े इशारे की ओर इंगित करती है। हत्या के आरोपित जिन तीन युवकों का नाम आ रहा है उसमें लवलेश तिवारी बांदा, अरुण मौर्या कासगंज और सनीसिंह हमीरपुर शामिल हैं। यह तीनों बड़े अपराधी हैं। लेकिन अतीक की हत्या के लिए तीनों का एक साथ आना बड़े सवाल खड़े करता है। कहीं तीनों अतीक के गैंग से ही नहीं जुड़े थे। अतीक से हुई पुलिस पूछताछ में इनका नाम भी तो नहीं आ रहा था। दूसरी बात जांच के दायरे में कोई बड़ा आदमी तो नहीं फंस रहा था। जिसने अपनी गर्दन बचाने के लिए ऐसी साजिश रची।

मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि तीनों एक लाज में रुके थे। लेकिन उन्हें कैसे पता था कि अतीक को इसी अस्पताल में मेडिकल परीक्षण के लिए लाया जाएगा। घटना को अंजाम देने से पूर्व रेकी की भी बात आयी है। निश्चित रुप से यह एक सुनियोजित प्लानिंग थी। जिसकी वजह से आरोपित मीडियाकर्मी बनकर घटना को अंजाम दिया। इस घटना का सच सामने आना चाहिए। निश्चित रुप से इसमें कोई बड़ा नाम भी हो सकता है। लेकिन राज्य की कानून-व्यवस्था पर अतीक और असरफ की हत्या बड़ा सवाल छोड़ गयीं है। इस घटना का पर्दाफांस हर स्थिति में होना चाहिए। इस तरह अतीक की हत्या क्यों की गयीं। यह सिर्फ अतीक की हत्या ही नहीं राज्य की कानून व्यवस्था और उसकी पुलिस से भी जुड़ा बड़ा सवाल है। इस घटना की ज़मीनी सच्चाई सामने आनी चाहिए।

महाराष्ट्र में हीट वेव के खतरा

नवी मुंबई में रविवार को महाराष्ट्र भूषण सम्मान समारोह के दौरान लू लगने से 11 लोगों की मौत की खबर परेशान करने वाली है। यह महाराष्ट्र सरकार का कार्यक्रम था। मध्य अप्रैल में होने वाले इस कार्यक्रम का समय दिन में साढ़े 11 बजे से एक बजे के बीच पता नहीं क्या सोच कर रखा गया। ध्यान रहे नवी मुंबई में उस दिन अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रेकॉर्ड किया गया था। इस तापमान में लोगों को कड़ी धूप में बैठे रहना पड़ा। स्वाभाविक ही कार्यक्रम समाप्त होते-होते तक 50 लोगों को लू लगने के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ गया।

जाहिर है, हमारी सरकारों को ऐसे मामलों में ज्यादा संवेदनशील होने की जरूरत है। लेकिन मौसम के बदलते मिजाज से उपजे संकटों का दायरा बहुत बड़ा है। साल-दर-साल गर्म होते जा रहे मौसम से लोगों की जान को तो खतरा बढ़ ही रहा है, इकॉनमी के मोर्चे पर भी चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। भारत में साल 2000 से 2019 के बीच हर साल औसतन 24 दिन हीट वेव वाले रहे, जबकि उससे पहले के 20 वर्षों में औसत आंकड़ा साल में 10 दिनों का ही था।

मौसम विभाग के मुताबिक मैदानी इलाकों में जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला जाए, तब हीट वेव की स्थिति बनती है। पहाड़ी इलाकों में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और तटीय इलाकों में 37 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने पर ऐसी स्थिति बनती है।

आश्चर्य नहीं कि साल 2010 से 2019 के बीच गर्म मौसम से मौतें करीब 30 फीसदी ज्यादा हुईं। इकॉनमी के मोर्चे पर भी हालात कम गंभीर नहीं हैं। नॉर्थ कैरोलाइना की ड्यूक यूनिवर्सिटी में हुई एक रिसर्च के मुताबिक, दिल्ली में जब तापमान बहुत बढ़ जाता है तो हर घंटे 15-20 मिनट काम का नुकसान होता है। रिसर्च के मुताबिक भारत में हर साल गर्मी से 101 अरब मैन आवर का नुकसान होता है। आने वाले वर्षों में हालात और बदतर ही होने वाले हैं। अनुमान है कि 2030 तक गर्मी से काम के घंटों का नुकसान इतना बढ़ जाएगा कि जीडीपी को ढाई फीसदी (करीब 250 अरब डॉलर) तक की चपत लग सकती है। दिक्कत यह भी है कि भारत में वर्कफोर्स का करीब 75 फीसदी हिस्सा ऊंचे तापमान वाली जगहों पर काम करता है।

इसीलिए यह और भी जरूरी है कि बचाव के इंतजाम अभी से शुरू कर दिए जाएं। इसके लिए कामकाज का पैटर्न बदलना और फैक्ट्रियों के भीतर काम करने के हालात में सुधार लाना होगा। चूंकि भारत में बड़ी आबादी को असंगठित क्षेत्र में रोजगार मिला हुआ है, इसलिए छोटी औद्योगिक इकाइयों को सबसिडी देकर उन्हें वर्कप्लेस को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। शहरों के विकास मॉडल पर भी मौसम के हिसाब से गौर करना होगा। सरकार को इस दिशा में प्रयास तत्काल शुरू कर देने चाहिए।

व्यंग्य: यूपी में अपराधियों के मानवाधिकार हनन पर डीसीएम का खुला पत्र

मित्रों, उत्तर प्रदेश में अपराधी जी भाइयों के साथ जो खिलवाड़ हो रहा है, वह निहायत ही निंदनीय है। हम इसकी भर्त्सना करते हैं। अगर सरकार अपराधियों के साथ सम्मान के साथ पेश नहीं आ सकती तो ऐसी सरकार को सत्ता में रहने का कोई हक नहीं है। अपराधी भी आखिरकार इंसान होता है। और इंसानों के साथ इस तरह का रवैया अपनाना मानवता और संविधान के खिलाफ है। एक अपराधी का जो सम्मान बिहार में होता है, वह मिसाल है। वह अनुकरणीय है। यूपी को अपराधियों का सम्मान करना बिहार सरकार से सीखना चाहिए। बिहार राज्य से प्रेरणा लेनी चाहिए।

मित्रों, इंसान की तकलीफ देखना तो दूर हम उस पिता की संतान हैं, जिसे पशुओं का दुख नहीं देखा गया। इंसान खुद खाना खाता था, पशुओं को चारा खिलाता था। हमारे पिताजी मुख्यमंत्री थे, उनसे पशुओं का यह दुख और उनके साथ हो रहा भेदभाव देखा नहीं गया। वह पशुओं को अकेले चारा खाते नहीं देख सके। पिताजी खुद चारा खाने लगे। पिताजी ने खूब चारा खाया। वह पशुओं को किसी भी कीमत पर चारा नहीं खाने देना चाहते थे, लेकिन केंद्र की पशु विरोधी निकम्मी सरकार ने उन्हें चारा खाने से रोक दिया, लेकिन हमें अपने पिताजी के चारा खाने पर गर्व है।

उत्तर प्रदेश में इतनी लापरवाह सरकार और पुलिस है कि अपराधियों को लेकर आने वाली गाड़ी पलट जाती है। हम उस कारामाती पिता की संतान हैं, जिसने स्कूटर से भैंस की ढुलाई की, और एक बार भी स्कूटर नहीं पलटा। पिताजी मुख्यमंत्री थे, इंसानों से ज्यादा जानवरों को प्यार करते थे। इंसान मारे जायें, हत्या हो जाये पिताजी दुखी नहीं होते थे, लेकिन जानवरों को तनिक भी तकलीफ पहुंचती थी तो पिताजी परेशान हो जाते थे। जानवरों की सुरक्षा पिताजी की पहली प्राथमिकता थी। यही कारण था कि पिताजी ने स्कूटर और मोटरसाइकिल से भैंस और गाय ढोया, लेकिन वाहन कभी नहीं पलटने दिया।

हम खुद नौंवी फेल हैं, लेकिन कभी इसका घमंड नहीं किया। अगर हम दसवीं पास हो जाते तो पिताजी हमसे थोड़ी सी जमीन लेकर हमको रेलवे में चपरासी तो बनवा ही देते, लेकिन हमने देश के अन्य युवाओं के लिये अपना रेलवे का करियर सैक्रिफाइस कर दिया। हमारे पिताजी ने सैकड़ों लोगों की नौकरी लगाई, लेकिन किसी से एक पैसा नहीं लिया, केवल जमीन ली, क्योंकि वो जमीन से जुड़े नेता थे। जमीन से जुड़ने की वजह से ही उन्होंने जमीन लिया, लेकिन भ्रष्ट एवं बेईमान एजेंसियों को उनके जमीन से जुड़े होने की बात कभी समझ ही नहीं आई।

उत्तर प्रदेश में मात्र एक गवाह की हत्या हो गई और सरकार ने पूरा सिस्टम सिर पर उठा लिया। पूरा हल्ला मचा डाला। हम उस पिता की संतान हैं, जहां एक एक दिन में पांच-पांच दर्जन हत्यायें हो जाती थीं, और पिताजी शांति से सतुआ खाते थे। पिताजी के राज में अपराधी अंकलों का जो सम्मान और प्रतिष्ठा थी, उसने हमारे मामा सुभाष जादो और साधु जादो भी इंस्पायर हुये थे। शहाबुद्दीन चा तेजाब से नहला कर लोगों की हत्या कर देते थे, लेकिन मजाल है जो पुलिस कुछ कर दे। यह होता है सम्मान, जिस राज्य में अपराधियों का कोई सम्मान नहीं है, वह राज्य निंदा के लायक है।

उत्तर प्रदेश जैसा राज्य, जहां का नागरिक दंगा नहीं देख सकते, उस राज्य के नागरिकों का जीवन व्यर्थ है। अखिलेश जीजा के कार्यकाल में राज्य दंगायुक्त था, नागरिक गाहे बगाहे दंगा देखकर आनंदित होते थे, लेकिन अब यह आनंद खत्म हो चुका है। हमारी नीतीश चा की सरकार को देखिये। हमारे यहां नौकरी के लिये भले ही युवा दूसरे प्रदेशों में जाते हों, लेकिन दंगा देखते के लिये उन्हें किसी अन्य प्रदेश जाने की आवश्कयता नहीं है। दंगा के मामले में हमने बिहार को आत्म निर्भर बनाया है। बिहार शरीफ, सासाराम में राम नवमी के दिन हमने दंगा का प्रबंध किया, दंगा देखने बिहारियों को मुजफ्फरनगर और अखिलेश जीजा पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है।

दोस्तों, उत्तर प्रदेश में संविधान खतरे में है। लोकतंत्र खतरे में है। अपराधियों के इज्जत के साथ खिलवाड़ हो रहा है। अपराधियों के मानवाधिकार का हनन हो रहा है। नागरिक तो करोड़ों में हैं, लेकिन अपराधियों की संख्या गिनी चुनी है। ऐसे ही हालात बने रहे तो अपराधी विलुप्ति के कगार पर पहुंच जायेंगे। अपहरण और रंगदारी जैसे उद्योगों पर ताला लग जायेगा, जो लोकतंत्र और अपराधियों के भविष्य के लिये खतरनाक संकेत है। मित्रों आप से अपील करता हूं कि अपहरण, रंगदारी, हत्या, लूट जैसे फलदायी उद्योगों की बेहतरी के लिये आप समाजवादी सरकार चुनें और बिहार में हमलोगों के हाथों को मजबूत करें। हम वादा करते हैं कि हम आपको एक दिन भी चैन से नहीं रहने देंगे।

दैनिक पंचांग

21 अप्रैल 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.58 बजे से
चंद्र	मेष में	मिथुन	08.56 बजे से
मंगल	मिथुन में	कर्क	11.10 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	13.26 बजे से
गुरु	मीन में	कन्या	15.38 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.49 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	20.03 ब.से
राहु	मेष में	धनु	22.19 बजे से
केतु	तुला में	मकर	00.24 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		कुंभ	02.11 बजे से
		मीन	03.44 बजे से
		मेष	05.14 बजे से

शुक्रवार 2023 वर्ष का 111 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
वक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 08.29 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 23.00 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 10.59 बजे को समाप्त।
करण बव 08.29 बजे तदनन्तर बालव 20.05 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 00.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 11° 42'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871590
जूलियन दिन 2460055.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1444
महीना रमजान
तारीख 29
विशेष चंद्र दर्शन।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 21 अप्रैल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपके द्वारा प्रस्तुत योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-2-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-6-8-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। शुभांक-3-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। विवाद को टालें। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। शुभांक-4-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-5-7

प्रसंगत: मन के हारे हार

कपिलवस्तु के राजकुमार सिद्धार्थ जो आगे चलकर 'गौतम बुद्ध' हुए और जिन्होंने 'बौद्ध धर्म' की स्थापना की, गृह त्यागकर निकले, तो बोध की खोज में काफी भटके। आखिर उनकी हिम्मत टूटने लगी। उनके मन में यह विचार बार-बार उठने लगा कि क्यों न वापस राजमहल चला जाए और अंत में एक दिन वे कपिलवस्तु की ओर लौट ही पड़े। चलते-चलते राह में उन्हें प्यास लगी। सामने ही एक झील थी। वे उसके किनारे गए, तभी उनकी दृष्टि एक गिलहरी पर पड़ी। गिलहरी कोई-दुर्लभ जीव नहीं किंतु उस गिलहरी की चेष्टाओं ने सिद्धार्थ का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित कि

सामंथा पर भड़के प्रोड्यूसर चिट्टी बाबू

साउथ फिल्मों के प्रोड्यूसर और डायरेक्टर त्रिपुरनेनी चिट्टी बाबू ने सामंथा रुथ प्रभु के लिए कहा है कि उनका फिल्मों में करियर खत्म हो चुका है और स्टारडम भी। चिट्टी बाबू ने कहा कि अब सामंथा को सस्ती पब्लिसिटी वाली चीजें नहीं करनी चाहिए। बीमारी के जरिए वह सिर्फ सिंपथी बटोर रही हैं। साउथ के प्रोड्यूसर त्रिपुरनेनी चिट्टी बाबू ने सामंथा रुथ प्रभु के लिए चौंकाने वाली बात कही है. चिट्टी बाबू ने कहा कि सामंथा का फिल्मों में करियर खत्म हो चका है और स्टारडम भी खत्म है. चिट्टी बाबू के मुताबिक, सामंथा सिर्फ सिंपथी के लिए अपनी बीमारी का इस्तेमाल कर रही हैं. सामंथा रुथ प्रभु अभी भी फिल्मों में काम कर रही हैं। उनकी काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। लेकिन एक प्रोड्यूसर का कहना है कि अब सामंथा का फिल्मी करियर खत्म हो चुका है। उनके करियर में कुछ नहीं बचा है। सामंथा रुथ प्रभु पिछले कुछ साल से बड़ी मुश्किलों से गुजर रही हैं। वही अभी तक नागा चैतन्य संग तलाक से उबर नहीं पाई हैं, इसी बीच वह मायोसिटिस नाम की बीमारी का शिकार हो गईं। इस वजह से सामंथा को एक्टिंग से कुछ वक्त की दूरी बनानी पड़ गई थी। बावजूद इसके सामंथा फिल्में कर रही हैं। सामंथा की एक्टिंग को भी खूब सराहा जा रहा है। मालूम हो की सामंथा को कुछ समय पहले हा मायासाटस नाम का बामारा क बार म पता चला। यह एक एसा बीमारी है, जिसमें मांसपेशियों में सूजन आ जाती है। बेहद थकान, कमजोरी और बाकी परेशानियां शुरू हो जाती हैं। इन तकलीफों के बावजूद सामंथा ने काम को रुकने नहीं दिया और इलाज के कुछ दिनों में ही सेट पर वापसी कर ली।

सामंथा और नागा चैतन्य के रिश्ते में क्यों आई दरार?

लेकिन इसी बीच साउथ फिल्मों के दिग्गज प्रोड्यूसर और डायरेक्टर ने सामंथा को लेकर शॉकिंग बात कह दी। उन्होंने कहा कि सामंथा का फिल्मों में करियर खत्म हो चुका है, और अब वह दाबारा स्टारडम नहा पा सकता। फिल्मांबांट के मुताबिक, त्रिपुरनेनी चिट्टी बाबू ने यह दावा सामंथा के फिल्म प्रमोशन के तरीके को देखकर कहा। दावा किया जा रहा है कि सामंथा फिल्म को प्रमोट करने के लिए अपनी बीमारी और हेल्थ कंडीशन का इस्तेमाल कर रही हैं। इसी पर त्रिपुरनेनी चिट्टी बाबू ने एक इंटरव्यू में रिएक्ट किया।

सामंथा का रोना नकली, सिंपथी का तरीका है

त्रिपुरनेनी चिट्टी बाबू से पूछा गया कि सामंथा फिल्म शाकुंतलम के प्रमोशन के दौरान इमोशनल हो गई थीं। इस पर रिएक्ट करते हुए वह बोले, यह नकली था। सामंथा बता रही थीं कि शकुंतला बनने के लिए उन्हें क्या कुछ सहना पड़ा। लेकिन सभी एक्टर्स ऐसा करते हैं। उन्हें किरदार में घुसने के लिए मेहनत करनी ही पड़ती है। यशोदा के प्रमोशन के दौरान भी ऐसा ही था। यह सही नहीं है। यह सिर्फ सिंपथी पाने का तरीका है, पर इससे सिर्फ आलोचना ही मिलेगी। यह सही नहीं है। मेहनत करना आपकी नौकरी का हिस्सा है। हमने ऐसे कई एक्टर्स को देखा है जो किरदार के लिए किसी भी हद तक चले जाते हैं। लेकिन सामंथा को अब सिंपथी नहीं लेनी चाहिए। यह बहुत अजीब और सस्ती पब्लिसिटी है।

सामंथा का करियर खत्म, वापस नहीं मिलेगा स्टारडम

त्रिपुरनेनी चिट्टी बाबू ने आगे कहा, सामंथा का वजन घट गया और उनका चेहरा भी बदल गया है। वह बीमार हो गईं और हर फिल्म के लिए अब ड्रामा कर रही हैं। उनका करियर खत्म हो चुका है। सोशल मीडिया पर सामंथा की जो तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं, वो सब पब्लिसिटी के लिए थे। बहुत से एक्टर्स हैं, जिन्होंने बीमारी में भी काम किया है, बुखार में किया है, लेकिन उन्होंने कभी ऐसा कुछ नहीं बताया। सामंथा अपना चार्म और स्टारडम खो चुकी हैं। वह एक सुपरस्टार थीं और अपना पीक देख चुकी हैं। अब उन्हें आगे बढ़ना होगा। वह इसीलिए ऐसे कदम उठा रही हैं। लेकिन सामंथा को ऐसी सस्ती ट्रिक्स इस्तेमाल नहीं करनी चाहिए। लोग भावनाओं से प्रभावित होकर फिल्म नहीं देखते। अब देखने वाली बात यह होगी कि सामंथा रुथ प्रभु इस पर कैसे रिएक्ट करेंगी।

फ्लाइट में मुफ्त की शराब देखकर इतने एक्साइटेड हो गए थे मनोज बाजपेयी... पीकर हो गए बेहोश जानें फिर क्या हुआ

मनोज बाजपेयी ने अभिनेता बनने के लिए बिहार से दिल्ली आने के बाद एक लंबा सफर तय किया है. उन्होंने थिएटर में शुरुआत की और फिर 1994 में शेखर कपूर की प्रशंसित फिल्म बैंडिट क्वीन में एक छोटी भूमिका के साथ फिल्मों में शामिल हुए. तब से, उन्होंने सत्या (1998) के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और शूल के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवार्ड जीता. उनकी एक्टिंग की फैंस दीवानी है. फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं. एक इंटरव्यू में एक्टर ने खुलासा किया था कि जब वह पहली बार इंटरनेशनल फ्लाइट में गए थे, तो उन्हें नहीं पता था कि वहां शराब फ्री में मिलती है.

मनोज वाजपेयी ने पी ली थी शराब

एक इंटरव्यू में, अभिनेता ने फ्रांस में अपनी पहली विदेश यात्रा को याद किया. उन्होंने कहा, जब मैं थिएटर कर रहा था, तब मैं पेरिस गया था, वह मेरी पहली इंटरनेशनल ट्रिप थी. फ्लाइट के दौरान मैंने शराब बिल्कुल नहीं ली, क्योंकि मुझे लगा था कि वे इसके लिए मुझसे पैसे लेंगे. मेरे पास पैसा नहीं है! थिएटर की वजह से मैं वहां एक एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत जा रहा था. तो वहां जाने के बाद मुझे पता चला कि वे इसे मुफ्त में परोसते हैं. वापस आते समय मैंने इतना पी लिया कि मैं बेहोश हो गया!

चॉपस्टिक पर क्या बोले मनोज वाजपेयी

फ्रांस में रहते हुए उन्हें चॉपस्टिक से खाने की कोशिश करते हुए एक मजेदार अनुभव भी हुआ. उन्होंने आगे कहा, जब मैं पेरिस गया था, मैं एक पार्टी में गया था, जहां ये (चॉपस्टिक्स) थे और लोग इसके साथ आराम से खा रहे थे. मैंने इसे आजमाया, हर बार जब मैं इसे पकड़ता, तो खाना नीचे गिर जाता. एक मेज के दूसरी तरफ से एक महिला आई, कांटा उठाया, और उसने कहा, आप इसे भी इस्तेमाल कर सकते हैं. चिंता न करें, इसके लिए अभ्यास की जरूरत है.

इन फिल्मों में दिखे थे मनोज वाजपेयी

मनोज को आखिरी बार डिजनी+ हॉटस्टार की फिल्म गुलमोहर में शर्मिला टैगोर, सिमरन और सूरज शर्मा के साथ देखा गया था. उनके पास डिस्पैच, सूप और जोरम जैसी फिल्में भी हैं जो रिलीज होने वाली हैं. अभिनेता से प्राइम वीडियो के द फैमिली मैन के तीसरे सीजन पर काम शुरू करने की भी उम्मीद है.

इतने करोड़ की मालकिन है सुमोना

टीवी एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती द कपिल शर्मा शो से लोकप्रियता बटोर रही है. इस शो ने उन्हें नाम और शोहरत दोनों दी है. सुमोना शो में कपिल शर्मा की ऑनस्क्रीन वाइफ का किरदार निभाती है. दर्शकों को दोनों के बीच नोक-झोंक काफी पसन्द आती है. एक्ट्रेस के बारे में फैंस ज्यादा से ज्यादा जानना चाहते है. ऐसे में आपको आज बताते है उनके नेट वर्थ के बारे में.

सुमोना चक्रवर्ती का बोल्ड अंदाज देखा आपने?

सुमोना चक्रवर्ती सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है. अक्सर वो अपनी ग्लैमरस तसवीरों से लोगों का दिल धड़का देती है. इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस को 1.3 मिलियन लोग फॉलो करते है. उन्होंने अबतक 1,029 पोस्ट किए है और वो अबतक करीब 118 पोस्ट कर चुकी है. एक्ट्रेस कपिल सेट से भी कई तसवीरें शेयर करती रहती है.

सुमोना चक्रवर्ती की नेट वर्थ

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सुमोना चक्रवर्ती के पास करोड़ों की संपत्ति है. एक्ट्रेस के पास कुल संपत्ति 30 करोड़ रुपये है. इसके अलावा उनके गैराज में कई महंगी कारें है.

चाईल्ड आर्टिस्ट रह चुकी है सुमोना

सुमोना चक्रवर्ती ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत एक चाईल्ड आर्टिस्ट के तौर पर आमिर खान और मनीषा कोईराला अभिनीत फिल्म मन से की थी. इसके बाद कुछ सालों तक कई टेलीविजन शोज़ में नजर आई. हालांकि उन्हें बड़ी सफलता साल 2011 में बालाजी टेलीफिल्म्स द्वारा निर्मित टेलीविजन शो बड़े अच्छे लगते हैं में निभाए गए किरदार नताशा से मिली. इन दिनों वो कपिल शर्मा शो में नजर आ रही है और लोकप्रियता हासिल कर रही है.

वेश्यावृत्ति के आरोप में कास्टिंग डायरेक्टर आरती मित्तल गिरफ्तार

पुलिस के मुताबिक, आरती मित्तल ने मॉडल्स को तब निशाना बनाया जब वह उनसे विभिन्न प्रोजेक्ट्स के दौरान मिलीं. उसने उन्हें वेश्यावृत्ति में शामिल होने के लिए अच्छे पैसे देने का ऑफर दिया. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पुलिस इंस्पेक्टर मनोज सुतार को सूचना मिली थी कि वो देह व्यापार का धंधा चला रही है. उन्होंने एक टीम बनाई और ग्राहक बनकर गोरेगांव होटल पहुंचे. उन्होंने आरती को बुलाकर अपने दोस्तों के लिए दो लड़कियां लाने के लिए कहा. आरती ने इसके लिए उनसे 60 हजार रुपये की मांग की. पुलिस ने ये सब कैमरे में रिकॉर्ड कर लिए.

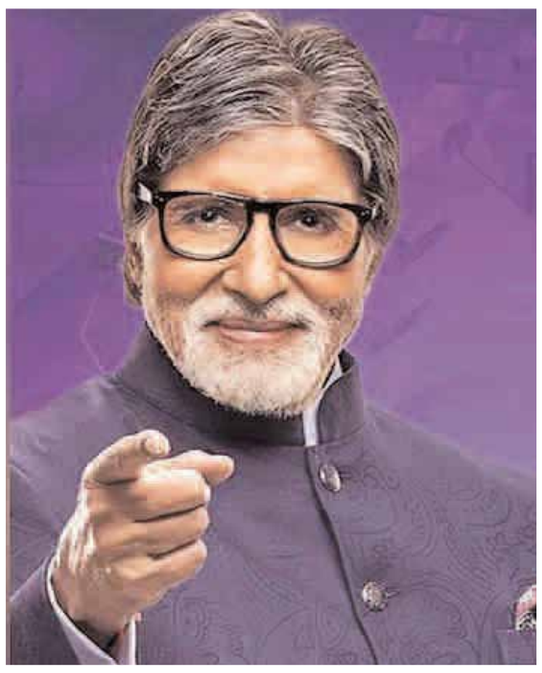

केबीसी- 15 के हॉट सीट पर किस्मत आजमाने के लिए हो जाएं तैयार

अमिताभ बच्चन कौन बनेगा करोड़पति सीजन 15 के साथ फिर से टीवी पर वापसी कर रहे है. जी हां, आपने सही पढ़ा. केबीसी 15 शुरू होने वाला है. शो का पहला प्रोमो मेकर्स ने जारी कर दिया है, जिसे देखकर फैंस काफी उत्साहित हो गए है. रजिस्ट्रेशन्स 29 अप्रैल से शुरू होंगे. वीडियो पर यूजर्स रिएक्शन दे रहे है.कौन बनेगा करोड़पति सीजन 15 का प्रोमो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. प्रोमो में एक महिला हॉटसीट पर पहुंचने के लिए काफी मेहनत करती दिखती है. वो महिला सुरंग खोदकर हॉटसीट तक पहुंचती है और अमिताभ बच्चन से गेम ऑन करने कहती है. इसपर बिग बी उस महिला से कहते है कि हॉटसीट तक पहुंचने के लिए ऊल जुलूल हथकंडे मत अपनाइए. वह कहते हैं बस फोन उठाएं और 29 अप्रैल रात 9 बजे से पूछे गए सवालों के जवाब भेजिए! 29 अप्रैल से रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाएगा. केबीसी के वीडियो पर यूजर्स रिएक्ट कर रहे है. एक मीडिया यूजर ने लिखा, वॉव, केबीसी वापस आ गया. एक यूजर ने लिखा, केबीसी के एक और सीजन की मेजबानी के लिए एबी सर का इंतजार नहीं कर सकता! एक अन्य यूजर ने लिखा, इस खबर ने मेरा दिन बना दिया, केबीसी को वापस लाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद. मैं 29 तारीख से रजिस्ट्रेशन कराऊंगा.

2000 में लॉन्च हुआ था केबीसी

बता दें कि कौन बनेगा करोड़पति 14 पिछले साल 7 अगस्त, 2022 को टीवी पर शुरू हुआ था. कौन बनेगा करोड़पति को 2000 में लॉन्च किया गया था. अमिताभ बच्चन 2000 से ही केबीसी को होस्ट कर रहे है. हालांकि सिर्फ एक सीजन को शाहरुख खान ने होस्ट किया था, बाकी सारे सीजन बिग बी ने होस्ट किए. फिल्मों की बात करें तो वो प्रोजेक्ट के को लेकर चर्चा में है.

प्रियंका करना चाहती है स्मगलिंग

ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर काफी बीजी रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस अपनी अपकमिंग सिरीज की प्रोमोशन के लिए मुंबई आई थी और साथ में बेटी मालती और पती निक जॉनस भी थे। अपने कामों में बीजी प्रियंका अपने फैंस के लिए भी टाइम निकाल ही लेती हैं और सोशल मीडिया पर काफी आक्टिव रहती हैं। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने एक फोटो पोस्ट की जिसमें वो किसी चीज की तस्करी करते नजर आईं। एक्ट्रेस ने यूजर्स से यह भी पूछा कि क्या इसे ले जाना कानूनी है या नहीं.. प्रियंका की ये फोटो इंस्टाग्राम पर जमकर वायरल हो रही हैं। दरअसल, सिटाडेल के प्रमोशन के दौरान प्रियंका चोपड़ा गर्मी के सीजन का सबसे फेवरेट फल आम खाती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने आम की फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि वो इसकी तस्करी कर रही हैं 'क्या ये लीगल है या नहीं...?

फिल्म छत्रपति में फीमेल लीड होंगी नुसरत

किसी भी अभिनेता के लिए, एक ऐसी फिल्म से जुड़ना जो बड़े पैमाने पर बनाई गई हो, वह किसी सपने के साकार होने के सामान है खासकर जब वह एक हाई ऑक्टेन एक्शन ड्रामा हो। फिल्म छत्रपति के टीज़र रिलीज़ के बाद से ही लोगों के बीच इस फिल्म की उत्सुकता देखने लायक है और अब मेकर्स ने फिल्म की मैं लीड का अनाउंसमेंट कर लोगो के एक्ससाइटमेंट को और बढ़ा दिया है। आप को बता दें की इस फिल्म फीमेल लीड के रूप में नुसरत भरुचा नज़र आएँगी। फिल्म छत्रपति से श्रीनिवास के बॉलीवुड डेब्यू का प्रतीक है। हम सभी फिल्म के हिंदी संस्करण में नुसरत और श्रीनिवास की केमेस्ट्री देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। छत्रपति में भूमिका के बारे में बात करते हुए, नुसरत कहती हैं ... मैं बेहद उत्साहित हूं, लेकिन थोड़ी से नर्वस भी क्यूंकि यह मेरी पहली पैन इंडिया एक्शन ड्रामा फिल्म है, और मेरे लिए छत्रपति से बेहतर फिल्म नहीं हो सकती है। फिल्म से जुड़े कलाकार, टेक्निशियंस और मेरे को स्टार श्रीनिवास के साथ काम कर के बेहद उत्साहित हूँ। श्रीनिवास कहते हैं कि, नुसरत के साथ काम करने का अनुभव बहुत ही शानदार रहा। मैं उनका शुक्रगुज़ार हूँ कि उन्होंने मुझे मेरी पहली बॉलीवुड फिल्म के लिए बहुत ही कंफर्टेबल फील करवाया। छत्रपति हमारे लिए बहुत खास हैं, और हम उम्मीद करते हैं कि दर्शक 12 मई को रिलीज़ होनेवाली इस फिल्म को पसंद करेंगे। वी. वी. विनायक द्वारा निर्देशित और वी. विजयेंद्र प्रसाद द्वारा लिखित डॉ. जयंतीलाल गड़ा (पेन स्टूडियोज) प्रस्तुत करते है छत्रपति। यह फिल्म एस.एस. राजामौली की फिल्म का आधिकारिक रीमेक है जिसमे प्रभास लीड रोले में नज़र आये थे। फिल्म में जबरदस्त हाई ऑक्टेन एक्शन सीन देखने को मिलेगा।